संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 255
पृष्ठ 8
शुक्रवार
06 जून 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हल्दी का तेल त्वचा और बालों...   विचार- चिड़ियाघर पर भी निजी क्षेत्र का कब्जा!   खेल- भारत के खिलाफ पहले टेस्ट...

पीएम मोदी ने इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

स्वच्छ और हरित दिल्ली की दिशा में उठाया गया एक और कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में 200 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे केंद्र और दिल्ली सरकार का स्वच्छ और हरित दिल्ली बनाने पर ध्यान और संकल्प मजबूत हुआ। पीएम मोदी ने इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को हरी झंडी दिखाने की तस्वीरें भी एक्स पर शेयर की और कैप्शन में लिखा, "स्वच्छ और हरित दिल्ली का निर्माण"। तस्वीरों में प्रधानमंत्री के साथ दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर आगे लिखा, "दिल्ली सरकार की पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई, जिसका उद्देश्य सतत विकास और स्वच्छ शहरी गतिशीलता को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, इससे दिल्ली के लोगों के लिए ईजीवन की सुगमता में भी सुधार होगा।" यह कदम सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली नव निर्वाचित भाजपा सरकार द्वारा शहर में वायु प्रदूषण को कम करने और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण की दिशा में कदम उठाने के बाद उठाया गया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि आज सिंगल यूज प्लास्टिक बैन का महत्व और भी ज्यादा समझ में आ रहा है, और अगर हमें अपनी दुनिया को स्वच्छ रखना है तो हम सबको इस आह्वान में शामिल होना होगा. .. दिल्ली सरकार गंभीरता से सुनिश्चित करेगी कि दिल्ली में सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह से बैन हो... दिल्ली सरकार कचरे के पृथक्करण पर बहुत गंभीरता से काम करेगी ताकि हम कचरा प्रबंधन में तेजी ला सकें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम योगी ने किया पौधरोपण

'एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ, रौपा विल्व वृक्ष का पौधा

लखनऊ, संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर विल्व वृक्ष (बेल) का पौधा रोपित कर 'एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 53वां जन्मदिवस भी है। इस अवसर पर उन्होंने कहा " आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण और पावन दिन है। गंगा दशहरा की पावन तिथि है। आज ही के दिन महाराज भगीरथ की कठोर तपस्या के बाद मां गंगा धरती पर उतरी थीं जो दुनिया के सबसे बड़े भूभाग को अपनी जलधारा से सिंचित करती है और उपजाऊ बनाती हैं। सीएम योगी ने कहा, महाराज भगीरथ के बाद इस कार्य को अविरल और निर्मल गंगा के नाम पर नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को दिया है। हम इसके लिए पीएम मोदी के आभारी हैं। उन्होंने कहा, आज विश्व पर्यावरण दिवस भी है पूरी दुनिया पर्यावरण के कठिन चुनौतियों से जूझ रही है। ये चुनौती मनुष्य द्वारा ही निर्मित चुनौती है और इसके समाधान का मार्ग भी मनुष्य को ही उठाना पड़ेगा और इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे भारतवासियों को आह्वान किया है कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें प्रकृति के साथ एक समन्वय और संवाद बनाना पड़ेगा। इस समन्वय और संवाद का नाम उन्होंने'एक पेड़ मां के नामश दिया। आज उत्तर प्रदेश में इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। 'एक पेड़ मां के नाम ये कार्यक्रम आज से लेकर लगातार चलेगा और 23 जून को यदि मानसून प्रदेश में आ जाता है तो इसका एक वृहद रूप प्रदेश में देखने को मिलेगा। योगी ने कहा " इस साल भी 35 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण का लक्ष्य हम लोगों ने इस बार भी रखा है ये क्रम 15 अगस्त तक लगातार चलेगा। वहीं, मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा " माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। विश्व पर्यावरण दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, विश्व पर्यावरण दिवस के पुनीत अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित हों।

इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को मिली बेल, देश छोड़ने पर एचसी की रोक

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार (5 जून) को शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम ज़मानत दे दी है। शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ़्तार किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने सांप्रदायिक वीडियो पोस्ट किया था, जिससे ऑनलाइन काफ़ी हंगामा हुआ था। अदालत ने शर्मिष्ठा को 10,000 रुपये का ज़मानत बांड भरने को कहा है। 22 वर्षीय प्रभावशाली और कानून की छात्रा को पिछले हफ्ते कोलकाता पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उनके विवादास्पद मीडिया पोस्ट के कारण गिरफ्तार किया था।

उन पर सोशल मीडिया पर अब हटाए जा चुके वीडियो में अपनी सांप्रदायिक टिप्पणियों के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि एफआईआर वजाहत खान कादरी ने दर्ज कराई थी, जिसकी शिकायत के कारण सोशल मीडिया प्रभावशाली शर्मिष्ठा पनोली को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और अब वह फरार है। श्री राम स्वाभिमान परिषद नामक एक ट्रस्ट ने कोलकाता के गार्डन रीच पुलिस स्टेशन में वजाहत खान कादरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यह वही पुलिस स्टेशन है जहां उन्होंने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मुंबई और असम समेत देश के कई हिस्सों में दर्ज की गई कई शिकायतों के बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें उन पर नफरत फैलाने वाले भाषण देने और सोशल मीडिया पोस्ट में धार्मिक देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। कादरी के परिवार के सदस्यों ने उनका बचाव करते हुए दावा किया है कि वह र्निदोष और धर्मनिरपेक्ष हैं। रशीदी फाउंडेशन के प्रमुख और कोलकाता के गार्डन रीच के निवासी कादरी फिलहाल फरार हैं, पुलिस ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

40 लाख रुपये का इनामी सुधाकर मारा गया

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 40 लाख रुपये का इनामी शीर्ष नक्सली नेता मारा गया। यह ऑपरेशन नेशनल पार्क इलाके में हुआ, जहां खुफिया जानकारी के अनुसार वरिष्ठ नक्सली कैडर की मौजूदगी का संकेत मिला था। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक संयुक्त टीम ने वन क्षेत्र में एक समन्वित अभियान शुरू किया। संयुक्त बलों और नक्सलियों के बीच सुबह से ही गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के दौरान मोस्ट वांटेड नक्सली नेताओं में से एक सेंट्रल कमेटी के सदस्य सुधाकर को मार गिराया गया। उस पर 40 लाख रुपये का इनाम था। सुधाकर की हत्या नंबाला केशव राव की हत्या के कुछ ही समय बाद हुई है, जिन्हें बसवराजू के नाम से भी जाना जाता है, जो मई में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में

मारे गए थे। वह घने अबूझमाड़ जंगलों में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के नेतृत्व में एक संयुक्त अभियान में मारे गए 30 नक्सलियों में से एक थे – जो नक्सलियों का गढ़ है। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव 1970 के दशक के उत्तरार्ध से नक्सली आंदोलन का हिस्सा रहे हैं और इसके सबसे खूंखार रणनीतिकारों में से एक थे। उन पर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम था और वह कई राज्यों में सुरक्षा बलों पर कई घातक हमलों के सिलसिले में वांछित थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान को ष्नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धिष् बताया। उन्होंने नंबाला केशव राव को नक्सल आंदोलन की रीढ़ बताया और कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि हमारे बलों ने महासचिव स्तर के किसी नेता को मार गिराया है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से छह पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का नकद इनाम था।

कोरोना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 4866 पहुंची, सात और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली,एजेंसी। देशभर में कोराना संक्रमण धीरे–धीरे बढ़ रहा है और कुल सक्रिय मामलों की संख्या गुरुवार सुबह बढ़कर 4866 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से सात और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 51 पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4866 पहुंच गयी। अभी तक 3955 मरीजों को स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 51 लोगों की मौत हुयी है। पिछले 24 घंटों में कोराना संक्रमण के कुल 1245 मामले सामने आये हैं। जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण के 564 नये सक्रिय मामले सामने आये हैं और 674 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है लेकिन इस अवधि के दौरान सात और मरीजों की जान चली गयी।

मूर्खता और विरोध की भी एक सीमा होती है, राहुल गांधी को सरेंडर वाले बयान पर भड़के किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद घोषित संघर्ष विराम के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सरेंडर करने वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने मंगलवार को तब विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने आरोप लगाया कि भारत–पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

सरेंडर कर दिया। उनकी टिप्पणी पर भारी प्रतिक्रिया हुई और भाजपा ने उन पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के सरेंडर वाले व्यंग ने पाकिस्तानी मीडिया में भी सुर्खियाँ बटोरीं, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ भारत की हालिया कूटनीतिक पहल को चुनौती दी गई, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने झूठा दावा किया कि भारत ने स्वीकार कर लिया है कि उसने सरेंडर कर दिया है। तीखी प्रतिक्रिया के बावजूद, कांग्रेस ने ट्रम्प की MAGA टोपी की एक तस्वीर पोस्ट करके टिप्पणी को और पुख्ता किया, जिस पर लिखा था, "नरेंद्र सरेंडर"। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए किरण रिजिजू ने कहा, "मूर्खता और विरोध की भी एक सीमा होती है! कांग्रेस पार्टी में कोई नहीं है जो उन्हें बताए कि विपक्षी पार्टी में होने का मतलब देश का विरोध करना नहीं है?"

वंदे भारत ट्रेन का उमर अब्दुल्ला और जितेंद्र सिंह किया निरीक्षण, पीएम मोदी आज दिखाएंगे हरी झंडी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पीएम मोदी के कल के दौरे से पहले कटरा रेलवे स्टेशन और वंदे भारत ट्रेन का निरीक्षण किया। पीएम मोदी कल कश्मीर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर मैं आपसे कहूं कि मैं इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहा था, तो भी यह पर्याप्त नहीं होगा। यह रेल परियोजना तब शुरू हुई थी जब मैं 7वीं या 8वीं कक्षा में था। अब, मेरे बच्चों ने भी स्कूल और कॉलेज

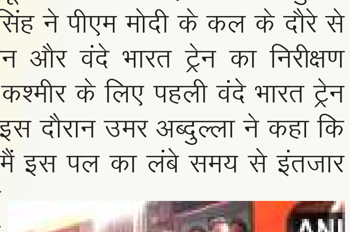

की पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करना शुरू कर दिया है। लेकिन, देर आए दुरुस्त आए। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कल प्रधानमंत्री वंदे भारत सेवा का उद्घाटन करेंगे और इससे हमें फायदा होगा। जब भी हाईवे बंद होता है, एयरलाइंस 5,000 रुपये की टिकटें 20,000 रुपये में बेचना शुरू कर देती हैं, ऐसे मुद्दे अब से हल हो जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी चेनाब नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज, चेनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे।

द्वारका डीपीएम स्कूल ने वापस लिया 31 छात्रों का निष्कासन, एचसी ने रवैये पर की कड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, द्वारका की 31 छात्रों को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने के लिए निंदा की है, जिनके माता–पिता ने फीस का भुगतान नहीं किया था। न्यायालय ने इस तरह की हरकतों को मानसिक उत्पीड़न करार दिया है, जो बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। डीपीएस द्वारका ने पहले फीस का भुगतान न करने के कारण 31 छात्रों के नाम अपने रोल से हटा दिए थे। हालांकि, बाद में स्कूल ने न्यायालय को सूचित किया कि उसने अपना निर्णय वापस ले लिया है और छात्रों को वापस आने की अनुमति दे दी है। न्यायालय ने कहा कि चूंकि छात्रों को बहाल कर दिया गया है, इसलिए यह मुद्दा कम गंभीर हो गया है, लेकिन फिर भी उसने स्कूल के व्यवहार पर कड़ी टिप्पणी की। स्कूल के इस कदम की निंदा करते हुए पीठ ने कहा कि वित्तीय चूक के कारण किसी छात्र को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करना या डराना, विशेष रूप से बल या दबावपूर्ण कार्रवाई के माध्यम से, न केवल मानसिक उत्पीड़न का गठन करता है, बल्कि बच्चे के मनोवैज्ञानिक कल्याण और आत्म–सम्मान को भी कम करता है। न्यायालय ने छात्रों को स्कूल परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए बाउंसरों के इस्तेमाल की आलोचना करते हुए कहा कि यह भय, अपमान और बहिष्कार का माहौल पैदा करता है जो स्कूल के मूल लोकाचार के साथ असंगत है।

आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन करे विश्व समुदाय : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि भारत, पाकिस्तान पोषित आतंकवाद से पीड़ित है इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन करते हुए पाकिस्तान को वित्त पोषण की अंतरराष्ट्रीय सूची में शामिल नहीं करना चाहिए क्योंकि वह इस राशि का इस्तेमाल आतंक फैलाने के लिए ही करता है। श्री खरगे ने एक बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद पर भारत का रुख समझने और उसका समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत को पाकिस्तान से चलाए जा रहे आतंकवाद के जरिए अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना था कि विश्व समुदाय को समझना चाहिए कि

भारत और पाकिस्तान को अलग–अलग करके देखा जाना चाहिए और जिन कारणों से पाकिस्तान को फिर वित्तपोषण की निगरानी की एफएटीएफ ग्रे सूची में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान को आतंक का अपराधी करार देते हुए विश्व समुदाय से अपील करते हुए कहा,"कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह करती है कि वह पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद पर भारत के रुख को समझे और उसका समर्थन करे। पाकिस्तान आतंक का अपराधी है और भारत आतंक का शिकार है। आतंकवाद फैलाने वालों से हमारी तुलना नहीं की जा सकती इसलिए आतंक फैलाने वालों और आतंक से पीड़ित को एक साथ नहीं रखा जाना चाहिए।" श्री खरगे ने कहा कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष–आईएमएफ, एशियाई विकास बैंक–एडीबी और विश्व बैंक ने उसे ऋण देना स्वीकृत किया है। इन संस्थाओं को उसे ऋण देना या उसके लिए आर्थिक पैकेज को स्वीकृति देने के निर्णय से पाकिस्तान का सैन्य व्यय ही बढ़ेगा और इस तरह से मिले कर्ज का इस्तेमाल उसकी सेना भारत में आतंक फैलाने के लिए करती है। इससे भी ज्यादा गंभीर बात 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति के उपाध्यक्ष और इस साल के लिए तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान का नाम लेना दुर्भाग्यपूर्ण, गलत सूचना और पूरी तरह से अस्वीकार्य बात है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत की बात पर ध्यान देते हुए पाकिस्तान को आतंकी वित्तपोषण की निगरानी की एफएटीएफ ग्रे सूची में शामिल करना चाहिए।

गंगा दशहरा पर खूब लगी पुण्य की डुबकी

प्रयागराज। ज्येष्ठ मासी के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गुरुवार को गंगा दशहरा का पर्व आस्था और श्रद्धा भाव के साथ मनाया जा रहा है। संगम व रामघाट सहित अन्य घाटों पर भोर

से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचना शुरू हो गई थी तो पुण्य की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालु उत्साहित दिखे। हर–हर गंगे, जय मां गंगे के उद्‌घोष के बीच घाटों पर गंगा पूजन कर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। स्नान के बाद तीर्थ पुरोहितों की अगुवाई में श्रद्धालुओं ने राजा भगीरथ व हिमालय पर्वत की विधि विधान से पूजा की और दान–दक्षिणा की गई।

आईईआरटी के 70 छात्र–छात्राओं को मिली नौकरी

प्रयागराज। इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड रूरल टेक्नोलाजी (आईईआरटी) में मेधा फाउंडेशन की ओर से मैकेनिकल ट्रेड के छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में बैक्सी इंडिया ने भाग लिया और कुल 180 से अधिक छात्रों ने इसमें सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर (टीपीओ) संजीव प्रताप सिंह ने मेधा फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर जयंत सिंह का स्वागत किया। सीनियर करियर प्रोग्रेशन मैनेजर साकिब अतीक ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना किया। कुलदीप नगर ने बताया कि पहले राउंड में ही 70 से अधिक छात्रों का चयन कर लिया है। आयुष सिंह, कल्पना, देव सिंह और ओसामा उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठित कंपनी ने प्रोडक्ट के दावे को लिया वापस

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वाणिज्य और व्यापार प्रशासन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एकता वर्मा ने अपने शोधार्थी से एक प्रतिष्ठित कंपनी के प्रोडक्ट के दावे के खिलाफ एडवर्टाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) में शिकायत दर्ज कराई थी। डॉ. वर्मा का आरोप है कि कंपनी की वेबसाइट पर ऐसे कई दावे उपलब्ध हैं, जो ग्रीनवॉशिंग की श्रेणी में आते हैं। शिकायत के बाद 31 मई तक कंपनी ने एक दावा हटा दिया है, लेकिन दो अन्य दावे अब भी उसकी वेबसाइट पर मौजूद हैं।

बच्चों को पौधरोपण और संरक्षण की दी सीख

प्रयागराज। विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल झलवा में गुरुवार को श्विश्व पर्यावरण दिवसश् के उपलक्ष्य में प्रबंध निदेशक अभिषेक तिवारी, प्रधानाचार्य दिनेश श्रीवास्तव, शिक्षकों एवं

विद्यार्थियों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक अभिषेक तिवारी ने विद्यार्थियों को पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित किया तथा पर्यावरण में उनकी अहम भूमिका को बताया। साथ ही पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण की सीख दी।

आधी रात भजन–कीर्तन और हनुमान चालीसा का पाठ

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में नई शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर डीएलएड प्रशिक्षित और टीईटी/सीटीईटी पास अभ्यर्थियों का बेमियादी धरना गुरुवार को नौवें दिन जारी है। अभ्यर्थियों ने बुधवार की आधी रात उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन

आयोग के बाहर यूपी सरकार और आयोग का अनुपात–समानुपात का भूत उतारने के लिए भजन–कीर्तन और हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि आज नहीं तो कल अंधेरे से प्रकाश की किरण निकलेगी। अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों में सहायक अध्यापकों के 181276 पद रिक्त हैं। वहीं दूसरी ओर सात साल से भर्ती नहीं आने के कारण लाखों योग्य अभ्यर्थी दर–दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं।

शिक्षण संस्थानों की मान्यता मामले पर की चर्चा

प्रयागराज। भाजपा शिक्षण संस्था के प्रदेश सह संयोजक मलयज शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की ओर से जारी आदेश को लेकर पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा से मुलाकात की। प्रदेश के एक हजार से अधिक बीएड एवं डीएलएड शिक्षण संस्थानों की मान्यता वापस लिए जाने के निर्णय पर फिर से विचार के विषय को उठाया। कहा कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के लिए अपने पांच सदस्य प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलने जाएं तो बहुत से विद्यार्थियों का अहित होने से बच जाएगा।

सीवर लाइनें चोक, नल से आ रहा दूषित पानी

प्रयागराज। एलनगंज में चोक सीवर लाइन के कारण गंदा पानी ओवरफ्लो कर गली एवं घरों के दरवाजे पर जमा हो रहा है। गंदगी और दुर्गंध के कारण लोग परेशान हैं। करीब बीस दिनों से बरकरार इस समस्या के बारे में स्थानीय लोगों ने जलकल और नगर निगम के अधिकारियों से कई बार शिकायत की लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। लोग इस बात को लेकर आशंकित हैं कि अगर समय रहते समाधान न हुआ तो बारिश शुरू होने पर स्थिति काफी जटिल हो जाएगी और घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि बदहाल सफाई व्यवस्था, जाम नालियां, दूषित पेयजल आपूर्ति जैसी तमाम समस्याओं से परेशान हैं लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा है।

एलनगंज की डॉ. मौर्य गली में सीवर लाइन चोक होने से मार्ग और घरों के मुहाने पर गंदा पानी जमा हो रहा है। करीब बीस दिनों से चली आ रही इस समस्या के बाबत बार–बार की शिकायत के बाद भी विभागीय लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले दिनों यहां जल निगम ने पेयजल के लिए पाइप लाइन डाली थी उसी के बाद से समस्या बढ़ गई है। हालत यह है कि सीवर का गंदा पानी मार्ग पर फैला रहता है और लोगों को इसी गंदे पानी से होकर आना जाना पड़ता है। पास में मंदिर है जहां जाने में भी परेशानी होती है। लोग शिकायत कर थक चुके हैं और अब समस्या का स्थायी हल चाह रहे हैं। लोग परेशान हैं कि जल्द ही बारिश का मौसम आने वाला है अगर जल्द समाधान न हुआ तो बारिश में घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा। इसके कारण बीमारी फैलने का खतरा भी तेज हो गया है। सफाई व्यवस्था भी बदहाल यहां सफाई व्यवस्था को लेकर भी लोग परेशान रहते हैं। नालियों में जमा सिल्ट हटाई नहीं जा रही है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही। जल निकासी बाधित होने के कारण बारिश में पानी सड़क और गलियों में चला आना तय माना जा रहा है। लोगों ने बताया कि सफाईकर्मी कभी–कभी ही दिखते हैं जो

खानापूरी कर चले जाते हैं जिससे गंदगी पसरी रहती है। दूषित जलापूर्ति बढ़ा रही समस्या यहां दूषित जलापूर्ति भी बड़ी समस्या है। लोगों ने बताया कि यहां पेयजल के लिए बिछी पाइप लाइन नालियों से होकर गुजरी है। क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के जरिए नाली का पानी घरों में आ रहा है। कभी–कभी तो पानी से इतनी दुर्गंध आती है कि लोग उसका उपयोग नहीं कर पाते। इसकी शिकायत विभागीय जिम्मेदारों से की गई लेकिन कुछ नहीं हुआ। यहां के बाशिंदों का कहना है कि पिछले दिनों जल निगम ने यहां पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइन डाली लेकिन उसे जोड़ा नहीं गया। पुरानी पाइप लाइन से ही आपूर्ति की जा रही है जो समस्या पैदा कर रही है। बेकार पड़ा है हैंडपंप, नहीं उगल रहा पानी यहां लगे हैंडपंप से पानी नहीं निकलता, करीब दस वर्ष से हैंडपंप बेकार पड़ा है। इसे न तो बनाया जा रहा है और न ही हटाया जा रहा है। लोग बताते हैं कि पहले जब हैंडपंप चलता था तो लोग इसका उपयोग करते थे लेकिन एक दशक से इससे पानी नहीं आ रहा है। लोगों का कहना है कि अगर इसे बनाया नहीं जा सकता तो हटा दिया जाए। नाले के टूटे स्लैब से हो सकता है हादसा यहां गली के मुहाने पर नाले के ऊपर डाला गया स्लैब टूट गया है और बेहद खतरनाक हालत में है। जरा सी नजर हटी नहीं कि नाले में गिरना तय है। टूटे स्लैब के कारण लोगों को आवागमन में भी काफी दिक्कतें हो रही हैं। चार पहिया वाहन घुस नहीं सकते क्यों कि स्लैब टूटने से मार्ग संकरा हो गया है। छोटे बच्चों के लिए तो यह बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। नाले की गहराई भी काफी है जिससे लोग बच्चों को लेकर चिंतित रहते हैं। लोगों का कहना है कि किसी हादसे के होने के पहले ही प्राथमिकता के आधार पर नाले के स्लैब को बनाना होगा शिकायतें –सीवर लाइन चोक है, गंदा पानी मार्ग पर बहता रहता है। –नलों से दूषित पानी आ रहा है जिससे बीमारी फैल सकती है। –हैंडपंप बिगड़ा पड़ा है, उससे पानी नहीं आ रहा है। –नालियां जाम है, सफाई भी नहीं हो रही जिससे लोग परेशान हैं। –नाले का स्लैब टूट गया है जो खतरा पैदा कर रहा है। समाधान – –चोक सीवर लाइनों की सफाई कर नियमित देखरेख हो। –क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को दुरुस्त किया जाए। –खराब हैंडपंप की मरम्मत कर उसे उपयोग योग्य बनाया जाए। –नालियों में जमा सिल्ट हटाकर सफाई व्यवस्था बेहतर की जाए। –नाले पर नया स्लैब डाल कर रास्ता सुरक्षित किया जाए।

1– सीवर और नाली चोक होने के कारण घर से बाहर नहीं निकल पाते। काफी बदबू रहती है, बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।–मोहित यादव 2– सीवर लीकेज होने के कारण उसकी दुर्गंध घर के अंदर आती है, जिसकी वजह से घर में रहना मुश्किल हो रहा है, बच्चे घर से बाहर नहीं निकल पाते हैं।–विवेक कुमार 3– नाली चोक होने से गंदा पानी रोड पर बह रहा है जिसकी वजह से लोगों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है।–लक्ष्मी 4– सीवर और नाली चोक है, दुर्गंध की वजह से पूरे मोहल्ले के लोग परेशान हैं कोई सफाई कर्मी देखने तक नहीं आ रहा है।–जूली यादव 5– सीवर और नाली चोक की समस्या पिछले 20 दिनों से है लेकिन नगर निगम का कोई कर्मचारी या सफाई कर्मी इस पर ध्यान नहीं दे रहा है।– सुनीता पाल 6– बरसात आने वाली है, सीवर और नाली का अभी यह हाल है तो बारिश में क्या होगा। लगता है कि नगर निगम के कर्मचारी सो गए हैं।–मन्नो 7– गली के प्रारंभ में ही पुलिया टूटी हुई है, कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।–इसे तत्काल बनाया जाए।–किरन बाला 8– पुलिया टूटी है जो काफी खतरनाक हो गई है। बच्चों को घर से बाहर भेजने में डर लगता है कि कहीं कोई दुर्घटना ना हो जाए।–पूजा यादव 9– नाली खुली होने की वजह से बदबू बहुत ज्यादा हो रही है, गेट पर भी खड़े नहीं हो सकते। समाधान न हुआ तो बारिश में परेशानी बढ़ जाएगी।–विनेश चंद्र पाल 10– सीवर का ढक्कन उसके ऊपर से हटा दिया गया है जिसके कारण बदबू और अधिक बढ़ गई है। दूषित पानी रोड पर जा रहा है।– अजय पाल 11– मोहल्ले में गंदे पानी की भी भारी समस्या है। लोगों को साफ पानी नहीं मिल पा रहा है। नल से जो पानी आता है उसमें दुर्गंध आती है।– स्वाति सिंह 12– मोहल्ले में लगा इकलौता हैंडपंप लगभग 10 साल से खराब है। कई बार शिकायत करने पर भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है।–सोनाली यादव 13– बदबू अधिक होने के कारण पढ़ाई नहीं हो पा रही है शाम को पढ़ने के लिए छत पर चले जाते थे लेकिन बदबू के कारण नहीं जा पाते हैं।–कोमल वर्मा 14– पाइप डालने के लिए गली खोद दी गई लेकिन पाइप को जोड़ा नहीं गया और न गली बन पाई। पुरानी पाइप लाइन से ही सप्लाई हो रही है।–कीर्ति तिवारी

15– सीवर और नाली की समस्या अगर हल हो जाए तो पूरा मोहल्ला चैन की सांस लेगा और मोहल्ले के लोग नगर निगम को धन्यवाद देंगे।–शिल्पी 16– नाली और सीवर की बदबू की वजह से पूरा जीवन प्रभावित हो गया है। घर में रहना मुश्किल हो गया है। समस्या का समाधान जरूरी है।–अंतिम यादव 17– नाली और सीवर का पानी बहने के कारण मोहल्ले में मच्छरों की संख्या भी अधिक हो गई है लोगों को डेंगू होने का खतरा बढ़ गया है।–आकांक्षा

नसबंदी के बाद पैदा हुई बच्ची की पढ़ाई और पोषण का खर्चा दे यूपी सरकार, लोक अदालत ने दिया निर्देश

प्रयागराज। प्रयागराज की स्थायी लोक अदालत ने नसबंदी के बाद बच्ची पैदा होने को चिकित्सा की गंभीर चूक मानते हुए इसके लिए सरकार को महिला पैदा हुई बच्ची को शिक्षा व पोषण का खर्च और पीड़ित महिला को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। स्थायी लोक अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि याची की अनचाही संतान के पोषण के लिए दो लाख रुपये, उसकी शिक्षा आदि के लिए पांच हजार रुपये प्रतिमाह बच्ची की 18 वर्ष की आयु तक या उसके स्नातक डिग्री होने तक जो भी पहले हो भुगतान करे। साथ ही नसबंदी विफल होने से हुई मानसिक एवं शारीरिक पीड़ा के

लिए महिला को 20 हजार रुपये मुआवजा देने का निर्देश भी सरकार को दिया है।

यह आदेश प्रयागराज की स्थायी लोक अदालत के चेयरमैन विकार अहमद अंसारी और सदस्य डॉ रिचा पाठक व सत्येन्द्र मिश्र ने अनीता देवी के परिवाद पत्र पर सुनवाई के बाद दिया है। अनीता देवी के प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि वह गरीब महिला है। उसके पहले ही कई बच्चे हैं। उसने मऊआइमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ नीलिमा से नसबंदी कराई थी। उसे बताया गया था कि उसकी नसबंदी सफल हो गई है और उसे अब आगे बच्चा पैदा नहीं होगा। नसबंदी के कुछ दिनों बाद अनीता देवी को परेशानी हुई तो उसने अल्ट्रासाउंड कराया। उसके बाद पता चला कि उसके पेट में 16 सप्ताह छह दिन का गर्भ है। बाद में उसे लड़की पैदा हुई। इस पर अनीता देवी ने सीएमओ प्रयागराज को पक्षकार बनाते हुए स्थायी लोक अदालत में वाद दाखिल किया और उसके साथ हुई चिकित्सा में चूक को डॉक्टर की लापरवाही बताते हुए मुआवजे की मांग की थी।

कचरा नहीं देने वाले मकान मालिकों को जारी होगा नोटिस, गृहकर में नहीं मिलेगी छूट

– नगर आयुक्त ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण और नालों का निरीक्षण – नालों में गंदगी देख भड़के, वेंडर को लगाई फटकार – सलोरी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लगाए जाएंगे 10 हजार पौधे

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम के नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा ने गुरुवार को छोटा बघाड़ा स्थित अमिताभ बच्चन पुलिया के पास नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नालों में फैली गंदगी देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में लॉजों की संख्या अधिक है और वहां के रहवासी डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण में सहयोग नहीं करते हैं, जिससे कचरा सीधे नालों में फेंका जा रहा है। इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित लॉज मालिकों को नोटिस जारी करने और गृहकर में मिलने वाली छूट समाप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही पोकलेन मशीन लगाकर तत्काल नाला सफाई कराने का आदेश भी जारी किया।

अन्य क्षेत्रों में भी निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

इसके बाद नगर आयुक्त अप्ट्रॉन चौराहा पहुंचे और मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के पीछे स्थित नाले का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि नाले में काफी मात्रा में सिल्ट जमा है और जल प्रवाह अवरुद्ध है। इस पर उन्होंने वहां कार्यरत वेंडर को फटकार लगाते हुए कहा कि सिल्ट हटाने, जाली लगाने और केमिकल छिड़काव का कार्य तत्काल शुरू किया जाए। साथ ही पूर्व तैयारी को लेकर नालों की सफाई पर जोर

नगर आयुक्त ने इसके बाद मेडिकल कॉलेज चौराहा, जॉर्ज टाउन स्थित पंप, जल संस्थान के बगल का नाला, तथा "नुरुल्लाह रोड स्थित बुड्ढा ताजिया नाला का निरीक्षण किया। बुड्ढा ताजिया नाले में गंदगी तैरती देख उन्होंने नाराजगी जताई और वहां भी नाले में जाली लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मानसून से पूर्व सभी नालों की सफाई कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि बारिश में जलभराव की समस्या से बचा जा सके।

स्लॉटर हाउस के निरीक्षण के निर्देश

निरीक्षण के अंतिम चरण में श्री तेजा करैली बाग स्थित नगर निगम की वर्कशॉप पहुंचे। उन्होंने वहां "खराब पड़ी गाड़ियों की संख्या, उनकी स्थिति और रखरखाव को लेकर आवश्यक जानकारी ली। आगामी बकरीद पर्व को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सभी जोन अधिकारियों और पशुधन अधिकारी को सभी स्लॉटर हाउस का निरीक्षण करने और जिप बैग वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की शुरुआत

इससे पहले विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रयागराज नगर निगम द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा, अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव एवं श्री राजीव शुक्ला ने सालोरी में नवीन एमआरएफ सेंटर के पास पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 10,000 पौधों के रोपण का निर्देश

पौधरोपण कार्यक्रम के बाद नगर आयुक्त ने सलोरी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया और निर्देश दिया कि नदी किनारे लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र में बांस और अर्जुन के 5000–5000 पौधे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि इससे मिट्टी का कटाव रुकेगा, हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा। इस निरीक्षण और पौधरोपण कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव, श्री राजीव शुक्ल, सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडेय, जोनल अधिकारी श्री संजय ममगई, मुख्य अभियंता श्री अनिल मौर्या, अभियंता श्री राम सक्सेना समेत नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

200 करोड़ की लागत से बहुत जल्द होगा संधावली पुल का विस्तार- मंत्री कपिल देव

मुजफ्फरनगर। आज मुज़फ़्फ़रनगर के मेरठ रोड स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) गेस्ट हाउस में नगर की आधारभूत संरचना एवं यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के वरिष्ठ अधिकारियों, जिलाधिकारी मुज़फ़्फ़रनगर एवं अन्य तकनीकी विशेषज्ञों को व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार कपिल देव अग्रवाल ने शहर के विकास हेतु विभिन्न कार्यों के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्य रूप से कूकड़ा–संधावली पुल (लागत ₹200 करोड़) एवं मेरठ पेरीफेरल से रामपुर तिराहा तक 6 लेन विस्तार जैसे दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सीमा (एलायनमेंट) के विस्तार और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने को लेकर गहन विचार–विमर्श किया गया।

मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि हमारा स्पष्ट संकल्प है कि मुज़फ़्फ़रनगर को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक एवं प्रगतिशील शहर के रूप में विकसित किया जाए। इन दोनों पुलों व राजमार्ग विस्तार की परियोजनाएँ न केवल नगर के यातायात को सहज बनाएंगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, स्वास्थ्य सेवाओं तथा शैक्षिक संस्थानों तक पहुँच को भी सरल, सुरक्षित और समयबद्ध बनाएंगी। मंत्री ने जिला प्रशासन व एनएचएआई के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इन विकास परियोजनाओं पर सकारात्मक रुख अपनाया। मंत्री कपिल देव ने कहा की हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर तेजी से कार्य शुरू हो और जनता को शीघ्र लाभ मिले। इस अवसर पर एनएचएआई के अधिकारियों ने प्रस्तावित एलायनमेंट, तकनीकी चुनौतियों व लाभों पर एक प्रस्तुतिकरण भी दिया। जिलाधिकारी मुज़फ़्फ़रनगर ने प्रशासनिक सहयोग और भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। इस बैठक को मुज़फ़्फ़रनगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जो भविष्य में न केवल नगर की सूरत बदलेगा, बल्कि समूचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक विकास मॉडल प्रस्तुत करेगा।

शिकायत

वाणी और आंखें
संग सहेली हैं
लड़ी और खेली हैं।
हरदम साथ
जानतीं मन की बात
शब्द–ज्ञान में विदुषी वाणी
तो आंखें सूक्ष्मतम भंगिमाओं की
कुशल चितेरी
वाणी मुखर है, दुस्साहसी है
संयमित फिसलती, मधुर कर्कशा
उठाती गिराती
कभी वर्जना पट
अवश रह जाती
सहायताथी मौन आंखें
आगे बढ़ आतीं
पीड़ा पीतीं, डबडबातीं
बदली बन बरस –बरस जातीं
हंस –हंस सब कुछ बतातीं
प्यार जतातीं
शिकायत कर जातीं।

मीरा भटनागर

मदर्स प्राइड स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

मुजफ्फरनगर। मदर्स प्राइड स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना था। विद्यालय में वृक्षारोपण अभियान

का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विद्यालय परिसर में पौधे लगाए। इस पहल ने न केवल विद्यालय परिसर को सुंदर बनाया, बल्कि कार्बन पदचिह्न को कम करने और हरियाली को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर, छात्रों ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों और समाधानों के बारे में सीखा और समझा कि कैसे वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण की रक्षा के लिए योगदान कर सकते हैं। विद्यालय की डायरेक्टर डॉ रिंकु एस गोयल ने कहा, ष्हम छात्रों में पर्यावरणीय जागरूकता और जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि आज के छोटे कदम कल के लिए एक हरित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

लोजपा की बिजनौर कार्यकारिणी ने पर्यावरण दिवस पर पीपल के पौधे लगाकर दिया संदेश

बिजनौर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोजपा के जिला महामंत्री हरीराज सिंह के प्रतिष्ठान पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया और नगर में पार्टी पदाधिकारियों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती समस्या के कारण मौसम चक्र बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिसे

केवल वृक्ष ही नियंत्रित कर सकते हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को बचाएं। डॉ. निर्वेश त्यागी ने कहा वृक्ष हमारे जीवन के लिए उपयोगी होते हैं। इनसे पर्यावरण भी संतुलित रहता है। जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज जब हम पर्यावरण दिवस मना रहे हैं, तो हमें यह सोचना होगा कि हम प्रकृति से क्या ले रहे हैं और उसे बदले में क्या दे रहे हैं। पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। इस दौरान वृक्षारोपण कर पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर रामनाथ सिंह, हरि सिंह,डॉ. निर्वेश त्यागी, वीरेंद्र प्रताप सिंह, हरिराज सिंह, अर्जुन सिंह, वसीम अहमद, राजेंद्र सिंह, सुखवीर सिंह, दीपक चौहान, फिरोज ठेकेदार और अभिषेक कुमार आदि ने झालू रोड पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया।

प्रयागराज मण्डल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

प्रयागराज। मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में दिनांक 22 मई, 2025 से 5 जून, 2025 तक ष्एंड प्लास्टिक पॉल्यूशनष थीम पर मनाए जा रहे ष्विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ेष का आज दिनांक 05.06.2025 को समापन हो गया। इस अवसर पर प्रयागराज मण्डल कार्यालय से प्रयागराज जंक्शन तक एक प्रभात फेरी निकाली गयी एवं प्रयागराज जंक्शन पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़े में रेलवे परिसरों बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया गया। रेलवे कार्बन उत्सर्जन को

कम करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील और संकलपित है। पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिमीदारी है और साझा प्रयास से ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। प्रयागराज मण्डल ने स्वच्छता, पर्यावरण अनुकूल उत्पादों, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त रेलवे परिसरों के निर्माण की दिशा में अभियान चलाए है इसका असर रेलवे स्टेशन, रेलवे परिसरों एवं कालोनियों में दिखाई पढ़ रहा है।

इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक के नेतृत्व में अधिकारियों, कर्मचारियों और भारत स्काउट – गाइड के सदस्यों द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/प्रयागराज से प्रयागराज जंक्शन स्टेशन तक पर्यावरण जागरूकता के लिए प्रभात फेरी निकाली गयी एवं प्रयागराज जंक्शन पर मण्डल रेल प्रबन्धक के साथ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए शपथ ली। इसअवसर पर प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या –1 पर भारत स्काउट – गाइड के सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक में वृक्षों को बचाने एवं एकल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए संदेश दिया गया।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज टूंडला, अलीगढ़, फ़तेहपुर, मिर्ज़ापुर स्टेशनों पर वृक्षारोपण के साथ कर्मचारियों और बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ली। इस अवसर पर मण्डल के सभी स्टेशनों पर विशेष साफ सफाई अभियान चलाये गए।

इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल; अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इंफ्रा., श्री नवीन प्रकाश; वरिष्ठ मण्डल पर्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधक; वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबंधक, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी, श्री यू सी शुक्ला सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं भारत स्काउट – गाइड के सदस्य उपस्थित थे।

विश्वनाथ इकाई की महिला काव्य गोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ। शहर समता महिला काव्य गोष्ठी,सैयदा आनुवरा खातून के संयोजन एवं संचालन में विश्वनाथ चारआलि (असम) इकाई में कुशलता पूर्वक आयोजित किया गया।

सर्व प्रथम सैयदा आनुवरा खातून ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही आकर्षक भक्ति पूर्ण सरस्वती वन्दना प्रस्तुति से मंच का शुभारंभ किया।

आज के इस मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के हिलेरी टाइम चौनल के युवा पत्रकार श्शीष कुमार

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ गज़लकार जनाब मनशुर अली श कमाल श साहब , मध्य प्रदेश रतलाम से वरिष्ठ गीतक मनोहर मधुकर , बंगाईगांव असम से वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक . लल्लालललललश्रलाल विनय कुमार श बुद्ध श , लेखिका एवं कवयित्री श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव , गुवाहाटी – असम से युवा कवयित्री एवं शिक्षिका श्रीमती आभा कुमारी जी , असम की युवा कवयित्री व शिक्षिका श्रीमती मनीषा पाल जी , उत्तर प्रदेश आजमगढ़ से युवा कवि रुद्र प्रताप चतुर्वेदी , मध्य – प्रदेश रतलाम से लेखिका व संपादक डॉ. खुश्बू राठी , ऋषिकेश से वरिष्ठ गज़लकार जनाब आलम मुसाफिर साहब जी , और शहर समता महिला काव्य मंच विश्वनाथ इकाई– (असम) की अध्यक्षा – युवा लेखिका – शिक्षिका श्रीमती सैयदा आनोवरा खातून समेत अन्य कवि / कवयित्रियों और गजलकारों ने अपनी अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से आज के मंच पर चार चांद लगा दिया। सभी ने

एक से बढ़कर एक छंद को प्रस्तुत किया। जनाब मनशुर अली साहब ने –––श झूठी का अब गर्म बाज़ार आख़िर क्या करें श , मनोरमा जी ने –––श कुरबत की ऋतु सुहानी चाहिए मन की बगिया जाफरानी चाहिए श ; आभा जी ने ––– इंसानियत– खंडहरों का मैं क्या करूंगी ,

कातर रुदन की गुंज कब तक सुनूंगी ? ; मनीषा पाल जी ने ––

श बारिश की बूंदें अच्छी लगती हैं ;

श्री विनय जी ने –– श धरती जलती आग सी ; आलम जी ने –– श बेहया वे नक़ाब सड़कों पर , आ गई वे बेहिसाब सड़कों पर ; रुद्र प्रताप चतुर्वेदी जी ने ––श मृत्यु की शैय्या पर यह अंतिम क्षण है शांत है अब मन ; और अध्यक्षा श्रीमती सैयदा जी की –––ष चार दिन ज़िन्दगी का मज़ा लीजिए ष

मंच पर धूम मचा दिया। श्रीमती सैयदा आनोवरा खातून जी के मंच संचालन और श्री मनोहर मधुकर जी की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी की मनभावन शाम सफलता पूर्वक संपन्न हुई।

मुख्य अतिथि आशीष कुमार जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका गरिमा और गौरव की अनुभूति करायी साथ ही सभी साहित्य सेवियों की रचनाएं सुनने का सुखद सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ जिसके लिए उन्होंने सैयदा आनोवरा खातून जी समेत उपस्थित सभी कवि कवयित्री को भी आभार प्रकट किया। श्रीमती सैयदा आनोवरा खातून जी ने भी सभी के प्रति आभार प्रकट किया आशीष कुमार जी को आभार प्रकट किया क्योंकि हिलेरी टाइम चौनल ने साहित्यकारों के नव सृजन को जन सामान्य तक अपने सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने का प्रसंशनीय कार्य कर रहा है।

मनशुर अली साहब जी ने भी शहर समता महिला विश्वनाथ चारआलि असम इकाई की अध्यक्षा श्रीमती सैयदा आनोवरा खातून के प्रति तहेदिल से शुक्रिया अदा किया और कहा कि आप महिला समाज का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

साहित्यकारा मनोरमा श्रीवास्तव जी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पुनः समापन पर श्रीमती सैयदा आनोवरा खातून जी ने सभी साहित्यिक मित्रों को साधुवाद ज्ञापित किया।

संभलहेड़ा के पंचमुखी महादेव मंदिर परिसर में किया गया गोष्ठी और पौधारोपण का आयोजन

मुजफ्फरनगर। विश्व पर्यावरण दिवस पर मित्र वेलफेयर सोसाइटी (रजिस्टर्ड), मुजफ्फरनगर द्वारा पंचमुखी महादेव शिव मंदिर संभलहेड़ा, मुजफ्फरनगर के परिसर में गोष्ठी तथा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सेमिनार में बोलते हुए पंचायत राज विभाग उत्तर प्रदेश के स्टेट रिसोर्स पर्सन प्रमोद चौधरी ने कहा कि हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपना योगदान दें उन्होंने कहा यदि हम कार्बन उत्सर्जन करने वाले कार्यों में कमी लाएं जैसे सोलर प्लांट का उपयोग और ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने वाले कार्यों जैसे ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का काम करें तो आने वाली पीढ़ी सुरक्षित रह सकती है। सोसाइटी के अध्यक्ष डाव रजनीश कुमार ने कहा कि हमारे

आसपास का वातावरण ही हमारा पर्यावरण है हमे अपने आपको सहज रखने के लिए इसको ठीक रखने का दायित्व लेना होगा क्योंकि प्रयावरण हमारी सोच से जुड़ा हुवा विषय है। संस्था के महासचिव ईश जुनेजा ने कहा कि यदि हम प्लास्टिक का उपयोग कम करें, अधिक पेड़ लगाए, पानी का सदुपयोग करें और जो घरेलू कचरा है उसका उचित प्रबंधन करें तभी हम पर्यावरण मित्र कहलाएंगे और यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

सोसाइटी के उपाध्यक्ष राहुल बालियान ने कहा पेड़ और पौधे न केवल वायुमंडल में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाते हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन को भी नियंत्रित करने में मदद करते हैं अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना एक महत्वपूर्ण कदम है।

गोष्ठी का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर रवि शर्मा ने किया तथा पंचमुखी महादेव मंदिर के प्रधान श्री कृष्ण पाल जी सत्येंद्र कुमार एवं अन्य कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखें। गोष्ठी में 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

गोष्ठी के बाद मंदिर के परिसर में फलदार एवं छायादार वृक्षों का पौधा रोपण किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आरेडिका में लगाए गये पौधे

रायबरेली। धुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में दिनांक 05.06.2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान का प्रारम्भ किया। इसी कड़ी में आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा ने आरेडिका के इको कम जोगर्स पार्क में महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं के साथ वृक्षारोपण किया। महाप्रबंधक महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस–2025 की '''थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं '''' है प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग कम से कम करें, सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग से पूर्णतः बचें, बाजार से सामान लाने हेतु कपड़े एवं जूट के थैलों के उपयोग करें। हम अपने संसाधनों का संतुलित

एवं जिम्मेदारी के साथ उपयोग करे जिससे आने वाली पीढ़ियों को संसाधनों की कमी का सामना न करना पड़े।

'आरेडिका में पर्यावरण संरक्षण' के लिए तापीय विद्युत के स्थान पर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढाया जा रहा है आज आरेडिका में 4.08 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है, जो कुल उपभोग का लगभग 35 प्रतिशत है। गतवर्षों में आरेडिका में 332600 पौधों का तथा 120600 बीजों का रोपण किया गया। आरेडिका में जल संरक्षण के लिए 10 बोरवेल, 12 तालाबों एवे 29 वर्षा जल संचयन केन्द्र बनाए गये हैं, इनके द्वारा 631 मिलियन लीटर जल का प्रति वर्ष संचयन हो रहा है। आगे भविष्य में आरेडिका जितने जल का उपयोग करेगा उतना भूमि में रिचार्ज करने की योजना है। आरेडिका ग्लोबल वार्मिंग एवं कार्बन फुट प्रिन्ट जैसे मानको के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा। इसी लिए आज आरेडिका की पहचान एक हरित परिसर के रूप में हो रही है। आरेडिका के प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव, ने बताया कि आज पीपल, अमलताश, गुलमोहर, कचनार, पाकड़, करेंज, चितवन, आदि के 900 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, सहित उच्च अधिकारी और कर्मचारी ने वृक्षारोपण में सहभागिता की।

विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज। बलराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित सिटीजन गर्ल्स कॉलेज बलराम नगर नैनी(समवद्ध –प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज) में आज पर्यावरण दिवस के अवसर पर विज्ञान – प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में प्रशिक्षुओं

ने चंद्रयान–3, सक्रिय ज्वालामुखी, एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन, मानव संरचना का सक्रिय मॉडल, जल संचय, कोरोनावायरस, सोलर सिस्टम आदि को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से पधारे श्री विवेक त्रिपाठी जी ने छात्राओं को विज्ञान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यवहारिक दृष्टिकोण को अपनाने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उमा सिंह ने कहा कि आज के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम प्रतिदिन के व्यवहार में पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास करें ,तभी हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण सौंप सकते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मधुलिका सिंह में अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम का संचालन और संयोजन श्रीमती अंजना गौर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप प्राचार्य उमा लता पटेल ,डॉक्टर अंजुला तिवारी, अंजलि सैमुअल,सचिन श्रीवास्तव और फराज अहमद का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में अंजलि निषाद, श्वेता निषाद, अंकिता,शर्लिन, इकरा ,जूली, निधि, श्वेता यादव, नेहा, कशिश, वर्षा ,नंदिनी आदि छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

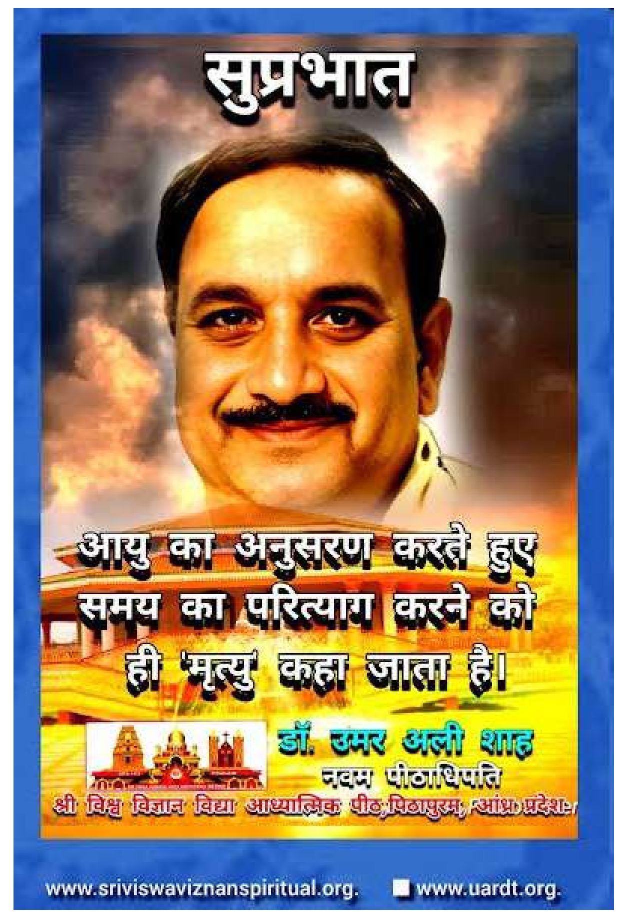

हरियाली लिखने लगी

(कुण्डलिया)

हरियाली लिखने लगी, मौसम का वह रंग।
रहकर जिसके संग वह, खुद हो गई प्रसंग।
खुद हो गई प्रसंग, बता बादल के किस्से।
सर्दी–गर्मी रूप,उमस के सारे हिस्से।
सुन लो कहें प्रदीप,झूमकर कहती डाली।
बरसेगा जब मेघ, हँसेगी फिर हरियाली।।

शहर कभी कहता नहीं, कहता केवल गाँव।
हरियाली खुद धूप पी, देती सबको छाँव।
देती सबको छाँव, न रखती कोई चाहत।
केवल बस बरसात, उसे देती है राहत।
सुन लो कहें प्रदीप,सुखी होंगे वहीं सभी।
जहाँ प्रकृति से प्रेम, दिखे चाहे कभी–कभी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वर्धमान में हुआ 200 कराटे खिलाड़ियों का सम्मान

देश को सुरक्षित करेंगे यह नन्हें सिपाहीः डॉ मुकेश जैन

मुजफ्फरनगर। विश्व ख्याति प्राप्त हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ मुकेश जैन, डॉ नूतन जैन, डॉ अनुभव जैन, डॉ वन्दना जैन ने, संयुक्त रूप से इंटरनेशनल कराटे अकेडमी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर कराटे किंग शिहान वेदप्रकाश शर्मा एवं मुख्य कराटे प्रशिक्षक सैनसाई अभिषेक शर्मा से प्रशिक्षित कड़ी मेहनत से बेल्ट परिक्षा पास कर सफलता हासिल करने वाले 200 कराटे खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय सम्मान दिया डॉ मुकेश जैन ने कराटे खिलाड़ियों का जोरदार एवं दमदार प्रदर्शन देखकर जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस कला को सीखने से जहाँ शारीरिक एवं मानसिक रूप से विकास होता है वहीं इसके व्यायाम से बच्चों की हड्डियाँ मजबूत होती हैं और नन्हें सिपाही इस अद्भुत

कला को सीखकर अपनी एवं अपनी परिवार की रक्षा के साथ ही समय आने पर देश की रक्षा भी बाखूबी कर सकेंगें डॉ नूतन जैन और डॉ वंदना जैन ने तो इस कला को महिलाओं की आत्मरक्षा हेतु बहुत आवश्यक बताया उन्होंने 43 वर्षों से निरन्तर कराटे खेल को बढ़ावा और पहचान देकर देश का नाम विदेशों में रोशन करने वाले कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा को साधुवाद दिया तथा प्रशिक्षक अभिषेक शर्मा द्वारा पिता के कार्यों को जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने पर पीट थपथपा कर आशीर्वाद दिया वर्धमान हस्पताल में हुए इस विशाल सम्मान समारोह कार्यक्रम में आर्यपुरी अकेडमी के साथ ही गांधी कालोनी, द्वारिका सिटी,न्यू मण्डी ब्रांच के 200 खिलाड़ियों ने जैपनीज काता तकनीक का सफ़ल प्रदर्शन कर येलो,ऑरेज, ग्रीन, पर्पल, ब्राउन बेल्ट परिक्षा पास कर जीत हासिल की वहीं कम उम्र के खिलाड़ियों ने भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ ही ब्लैक बेल्ट की कड़ी परीक्षा पास कर मार्शल आट्र्स कराटे के ऐ ग्रेड खिलाड़ियों में अपना नाम दर्ज कराया इस विशाल सम्मान समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कराटे एसोसिएशन ऑफ मुज़फ्फ़रनगर के अध्यक्ष सुनील गुप्ता एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजेन्द्र गोयल, डॉ रिचा गर्ग,वीना शर्मा, आदि मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 09/2025 — दिनांकः 03.06.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.	निविदा सं.	विवरण	मात्रा	ई.म.डी.रु.
1	19256349	ट्रैक गाइड फॉर बी डब्लू टी बी टाइप वैगन	1000 नग	1,06,200

निविदा खुलने की तिथिः- 01.07.2025, नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पुरा विवरण-IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।, 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें।, 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा।, 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https:// www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 976/25 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.......

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023–24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन–प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये। आवश्यकता यह भी है कि नई शिक्षा नीति के ही अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि वयस्क साक्षरता अभियानों को प्राथमिकता दी जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े व संसाधनों के अभाव वाले राज्यों में। इस दिशा में हमारे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब शासन–प्रशासन के प्रयासों के साथ सामुदायिक स्तर पर बड़ी कोशिश की जाए।

चिड़ियाघर पर भी निजी क्षेत्र का कब्जा!

डॉ. दीपक पाचपोर

जानवरों को खुले जंगल जैसी आजादी देने की भी योजना है ताकि वे अपनी प्राकृतिक प्रवृत्ति के अनुसार जीवन बिता सकें। जानवरों को बेहतर परिस्थितियों में रखना, उनके इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था और लुप्तप्राय प्राणियों के संरक्षण का प्रयास, यह सब सुनने में काफी अच्छा लगता है।

खबर है कि दिल्ली चिड़ियाघर को जल्द ही निजी हाथों के जिम्मे सौंपा जा सकता है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय के बीच इस संदर्भ में कई बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें गुजरात के जामनगर में स्थित वनतारा परियोजना की तर्ज पर दिल्ली चिड़ियाघर को आधुनिक रूप देने की योजना पर चर्चा हुई है। नई योजना के तहत चिड़ियाघर में वन्यजीवों को उनकी प्राकृतिक जीवनशैली के करीब वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनमें वातानुकूलित चिकित्सा केंद्र, आधुनिक पुनर्वास केंद्र आदि शामिल होंगे। जानवरों को खुले जंगल जैसी आजादी देने की भी योजना है ताकि वे अपनी प्राकृतिक प्रवृत्ति के अनुसार जीवन बिता सकें। जानवरों को बेहतर परिस्थितियों में रखना, उनके इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था और लुप्तप्राय प्राणियों के संरक्षण का प्रयास, यह सब सुनने में काफी अच्छा लगता है। मगर गौर करें तो इसमें निजीकरण का बड़ा षड्यंत्र दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि 214 एकड़ में फैला दिल्ली चिड़ियाघर एशिया के बेहतरीन चिड़ियाघरों में से एक है। यहां अलग–अलग महाद्वीपों से लाए गए पशु– पक्षियों की लगभग 22 हजार प्रजातियां और 200 प्रकार के पेड़ हैं। एक पुस्तकालय भी है, जहां वन्यजीव, जैव विविधता आदि पर ढेरों पुस्तकें हैं। कहने का आशय यह कि इतने उम्दा चिड़ियाघर को और बेहतर बनाने की मंशा अगर सरकार की है तो उसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाकर चरणबद्ध तरीके से उसे लागू किया जा सकता है। अब तक जिस तरह वन्य जनजीवन पर पूरी तरह सरकार का नियंत्रण रखकर संरक्षण–संवर्धन किया जाता रहा है, वही सिलसिला जारी रखने में आखिर अब क्यों अड़चन आ रही है, क्यों चिड़ियाघर के आधुनिकीकरण के नाम पर निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खोले जा रहे हैं। इसका जवाब सरकार अच्छे से जानती है, लेकिन शायद कार्पोरेट पूंजी का दबाव इतना बढ़ चुका है कि अब सरकार के लिए किसी भी बात पर ना कहना संभव नहीं रहा। पूंजीवाद का मुंह सुरसा की तरह बढ़ता जा रहा है और इसमें जितने भी निवाले चले जाएं, सब कम ही पड़ेंगे। तीन–चार दशक पहले जब बोतलबंद पानी की बिक्री शुरु हुई तो सवाल उठे थे कि प्रकृति की इस अनुपम देन पर सौदेबाजी कैसे की जा सकती है, क्या कल को हवा भी बिकेगी। और देखिए कि अब पानी भी बिकता है, प्राणवायु यानी ऑक्सीजन भी बिकती है, इसे न्यू नॉर्मल मान लिया गया है। छत्तीसगढ़ में नदी और तालाब बिकते सबने देखा है। निजीकरण का दायरा बढ़ता गया तो विमानतल, रेलवे, दूरसंचार, खनिज संपदा से भरी खदानें, बंदरगाह, सब बिक गए। शिक्षा और स्वास्थ्य तो पहले ही निजी हाथों के हवाले हो चुके हैं। एक तरह से देखा जाए तो मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं, बुनियादी सुविधाओं से लेकर जीवन को बेहतर बनाने वाले हर क्षेत्र में व्यापार का शिकंजा कस गया। यह सब अकेले कारोबारियों के बस की बात नहीं थी, अगर ऐसा तो पुराने जमाने में सेठ–साहूकार ही सरकार चलाते। लेकिन जब तक लोकतंत्र और सत्ता का इकबाल बुलंद था, तब तक कारोबारियों, उद्योगपतियों को मुनाफाखोरी की खुली छूट नहीं मिली थी। उन्हें अपनी पीठ पर हाथ रखने की इजाजत न किसी प्रधानमंत्री ने दी, न किसी मुख्यमंत्री ने दी। लेकिन अब यह सब पूरी निर्लज्जता के साथ होता है। अब सरकारी अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों का भूमिपूजन या शिलान्यास प्रधानमंत्री करते हैं, और जनता को बताते हैं कि आपको सौगात दे रहा हूं। उसके बाद वह बना या नहीं बना, इसकी चर्चा नहीं होती। सौगात सरकारी फाइलों में बंद हो जाती है। लेकिन निजी अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों का उद्घाटन प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों के हाथ होता है और समाज सवाल भी नहीं करता कि इनकी मुनाफाखोरी में आप हिस्सेदार हैं या नहीं, क्योंकि आखिर उसे पढ़ने, इलाज करने, आवागमन, वार्तालाप करने सबके लिए निजी क्षेत्रों पर निर्भर रहने की मजबूरी हो गई है। जबकि इन बुनियादी सुविधाओं के लिए वह भारी शुल्क अदा करता है और सरकार को कर चुकाता है, वह अलग। जब इंसानी जिंदगी के नाम पर इतना मुनाफा निजी क्षेत्र कमा रहे हैं, तो फिर जल, जंगल, जमीन, जानवर क्यों बख्शे जाएं। लिहाजा अब दिल्ली चिड़ियाघर के निजीकरण की सुगबुगाहट चल रही है। अगर यह योजना वाकई सफल हो जाती है, तो दिल्ली के पुराना किले के पास की इतनी बड़ी जमीन पर मनमाने खेल करने की छूट उस कंपनी को मिल जाएगी, जिसके पास चिड़ियाघर का मालिकाना हक हो जाएगा। जामनगर में बना वनतारा बनने की हकीकत तो देश देख ही चुका है। खुद प्रधानमंत्री उसका उद्घाटन कर आए। प्राणिविशेषज्ञ सवाल करते रह गए कि किस तरह दुनिया भर के वन्यजीवों को इस तरह लाने और निजी जंगल में पालने की अनुमति दी गई। बीमार जानवरों की देखभाल की आड़ में अगर कोई अवैध कारोबार हो रहा होगा, तो उसकी जवाबदेही कैसे तय होगी, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। जानवरों की खाल, नाखून, सींगों समेत उनके अंदरूनी अंगों की वैश्विक बाजार में बड़ी मांग है। दवा, वस्त्र, सौंदर्यप्रसाधन आदि में इनका इस्तेमाल होता है। ऐसे में क्या गारंटी है कि पशु संरक्षण की आड़ में अवैध कारोबार नहीं होता, न आगे होगा। वनतारा के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री पहुंचे तो फिल्म, खेल और मीडिया जगत के तथाकथित सितारों ने भी इसकी तारीफ की।

पहली बार हो रहा सेना का निर्लज्ज इस्तेमाल

अनिल जैन

जम्मू–कश्मीर के कारगिल में भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में मई से जुलाई के बीच तीन महीने तक सैन्य संघर्ष चला था, जिसमें भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना को अपनी जमीन से खदेड़ने में कामयाब रही थी। उससे पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार गिर चुकी थी, जिसकी वजह से लोकसभा के मध्यावधि चुनाव होने वाले थे। भारतीय जनता पार्टी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने चुनाव के मद्देनजर कारगिल की लड़ाई में भारतीय सेना की कामयाबी को वाजपेयी सरकार की उपलब्धि के तौर पर प्रचारित करने के लिए दिल्ली में कुछ स्थानों पर पोस्टर लगाए थे, जिनमें वाजपेयी के साथ ही भारत के तीनों सेना प्रमुखों को भी दिखाया गया था। भारत के पूर्व थल सेनाध्यक्ष वेद प्रकाश मलिक ने अपनी किताब कारगिल फ्रॉम सरप्राइज टु विक्ट्रीश में खुलासा किया है कि उन्हें जब ऐसे पोस्टरों की जानकारी मिली तो उन्होंने इस बारे में प्रधानमंत्री वाजपेयी से शिकायत की और कहा कि यह नहीं होना चाहिए। वाजपेयी ने उन्हें आश्वासन दिया कि ऐसा नहीं होगा और फिर वाकई ऐसा नहीं हुआ। इससे पहले भी पाकिस्तान को भारतीय सेना 1965 और 1971 के युद्ध में धूल चटा चुकी थी। यही नहीं, बहुत कम लोगों को जानकारी है कि भारत का चीन के साथ 1962 के बाद 1967 में एक सीमित युद्ध भी सिक्किम के सीमांत में हुआ था, जिसमें भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से चीन को उसकी सीमा में धकेलने में कामयाबी हासिल की थी। तब भी सेना की इस कामयाबी का तत्कालीन सरकारों ने चुनावों में कभी भी राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया। इसके अलावा पिछले 27 वर्षों के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 मर्तबा सर्जिकल स्ट्राइक की है, जिनमें से 9 सर्जिकल स्ट्राइक 2014 के पहले तक और दो बार 2014 के बाद हुई। 2014 के पहले तक किसी भी सरकार ने भारतीय सेना के पराक्रम का चुनावी इस्तेमाल नहीं किया। इधर पिछले एक दशक से सरकार ने सेना की हर कार्रवाई को अपने राजनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा और सेना को प्रकारांतर से सत्तारूढ़ दल का एक मोर्चा संगठन जैसा मान लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी हर चुनाव में सेना के नाम का खुलकर इस्तेमाल करती है, उसके किसी भी कारनामे को अपनी उपलब्धि बता कर वोट मांगती है। चुनावी रैलियों के मंच पर लगे बैनर–पोस्टरों में प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ सैन्य प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता है। यही नहीं, कभी–कभी तो सरकार की ओर से सेना के अफसरों को भी अपने प्रवक्ता की तरह काम करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। चूंकि चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता। न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। कुल मिलाकर कोई भी सक्षम संवैधानिक संस्था सेना के इस तरह राजनीतिकरण किए जाने की कोशिशों के खतरों को समझते हुए उन कोशिशों पर अंकुश लगाने की अपनी भूमिका निभाती नहीं दिखती। इस समय भी यही सब कुछ हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं कि कश्मीर के पहलगाम में हुए पिछले दिनों हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के संरक्षण में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने पराक्रम का सटीक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान में उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट करने किया है। लेकिन लक्ष्य पूरा होने से पहले ही भारतीय सेना की कार्रवाई अचानक क्यों और किसके दबाव में रोक दी गई, इस सवाल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। यह सवाल विपक्षी दलों के अलावा, भारतीय सेना के कई पूर्व अधिकारी, सामरिक मामलों के जानकार, वैकल्पिक मीडिया के पत्रकार और सोशल मीडिया में आम लोग भी पूछ रहे हैं। यह सवाल उन हलकों को भी बेचैन और निराश किए हुए हैं, जो आम तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और उसमें भी विशेष रूप से पाकिस्तान से जुड़े मसले पर हमेशा सत्ताधारी राजनीतिक समूह के नजरिये से इत्तफाक रखते हैं। साथ ही नरेंद्र मोदी को भारत का ही नहीं बल्कि समूचे विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय, दूरदर्शी और शक्तिशाली नेता मानते हैं। युद्ध छोटा हो या बड़ा, दोनों पक्षों को कुछ न कुछ नुकसान उठाना ही पड़ता है और दोनों पक्ष एक दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा भी करते हैं। इसलिए पाकिस्तान का यह दावा करना स्वाभाविक है कि उसने भारत के कई लड़ाकू विमानों नुकसान पहुंचाया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत के साथ सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तान में लोगों ने जश्न मनाया है और 1962 के भारत–चीन युद्ध के बाद यह भी पहली बार हुआ है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया का भारतीय सेना द्वारा बहादुरी से जवाब देने के बावजूद भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के चौथे दिन दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का सबसे पहले ऐलान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 11 मर्तबा यह दावा कर चुके हैं कि दोनों देशों को उन्होंने ही संघर्ष विराम के लिए मजबूर किया ताकि परमाणु युद्ध को टाला जा सके। वे कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कह चुके हैं, जो कि भारत की स्थापित और सुविचारित विदेश नीति के खिलाफ है। प्रधानमंत्री मोदी इन सारे सवालों का जवाब देने के बजाय सेना की आड़ में छिपते दिख रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े अन्य संगठन देश भर में सैन्य वर्दी में प्रधानमंत्री की तस्वीरों वाले पोस्टर और होर्डिंग्स के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाने का प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, सेना के जरिये भी झूठे वीडियो जारी कराए जा रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री देश भर में रैलियों के माध्यम से च्घर में घुस कर मारूंगा, ठोंक दूंगा, मिट्टी में मिला दूंगा, रोटी खाओ और चौन से रहो, नहीं तो मेरी गोली खाओ जैसे सस्ते फिल्मी डॉयलॉगों के जरिये लोगों को बहलाने का प्रयास कर रहे हैं। हर जगह एक जैसी भाषा और एक जैसा चिंघाड़ता हुआ अंदाज। दरअसल प्रधानमंत्री के पास सवालों के जवाब नहीं हैं, इसलिए उनकी सरकार के किसी मंत्री या सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं के पास भी जवाब होने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए उनकी पार्टी के प्रवक्ता टीवी चौनलों की डिबेट में विपक्षी पार्टी के प्रवक्ताओं को उनके सवालों का जवाब देने के बजाय मां–बहन की गालियां दे रहे हैं और चौनल के एंकर–एंकरनियां उन्हें गालियां देते देख मुदित होते हुए देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण करते हुए सत्तारूढ़ दल की योजना तो देश भर में महिलाओं के लिए घर–घर सिंदूर पहुंचाने की भी थी। उसके प्रवत्ताओं की ओर से टीवी चौनलों पर बाकायदा इसका औचित्य भी बताया जा रहा था, लेकिन इस मामले को लेकर सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर उठते तीखें सवालों ने सत्तारूढ पार्टी को इस योजना पर अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर कर दिया। मोदी की हताशा इस बात से भी समझी जा सकती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मलिन हो चुकी छवि को चमकाने के लिए उन्हें कांग्रेस के उसी नेता यानी शशि थरूर का सहारा लेना पड़ा जिसे नीचा दिखाने के लिए उन्होंने एक बार उनकी पत्नी को श्पचास करोड़ की गर्ल फ्रेंडश बताने जैसा भद्दा फिकरा कसा था और उन्हीं शशि थरूर ने मोदी को शशिवलिंग से लिपटा बिच्छूश

आतंकवादविरोधी राष्ट्रीय सर्वानुमति कौन तोड़ रहा है?

राजेन्द्र शर्मा

पहलगाम की दरिंदगी और उसके बाद के घटनाक्रम पर, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर भी शामिल है, राष्ट्रीय सर्वानुमति की मियाद पूरी हो गयी लगती है। और यह विपक्ष के बावजूद और मुख्य रूप से सत्ताधारी संघ–भाजपा की, इस घटनाक्रम से उठी देश की चिंताओं व भावनाओं को, अपने राजनीतिक/चुनावी लाभ के लिए भुनाने की हड़बड़ी की वजह से हो रहा है। और इस मुहिम का नेतृत्व सबसे बढ़कर खुद प्रधानमंत्री मोदी और उनके नंबर–दो माने जाने अमित शाह और भाजपा के अन्य सभी शीर्ष नेता कर रहे हैं। यह सिलसिला उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां स्वयं प्रधानमंत्री की सभा में, श्अब ऑपरेशन सिंदूर की तरह प. बंगाल में ऑपरेशन बंगाल चलानेश के आह्वान किए जा रहे हैं! कहने की जरूरत नहीं है कि यह आह्वान प. बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किया जा रहा था, जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। तभी असम, केरल, तमिलनाडु तथा पुदुच्चेरी की विधानसभाओं के भी चुनाव होने हैं। इसी बीच, बिहार में जहां चुनाव अब कुछ ही महीने दूर रह गए हैं, खुद प्रधानमंत्री ने अपनी व्यावहारिक मायनों में चुनावी सभाओं में याद दिलाना जरूरी समझा है कि पहलगाम के बाद बिहार की धरती पर उन्होंने जो आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देने का वादा किया था, उसे उन्होंने पूरा कर दिया है! जाहिर है कि पहलगाम की दरिंदगी के बाद उठे आतंकवादी–विरोधी भावनाओं के ज्वार और श्ऑपरेशन सिंदूरश की कामयाबी के दावों को, अपने चुनावी राजनीति के थैले में बंद करने की मोदीशाही की हड़बड़ी ही है जो, राष्ट्रीय सर्वानुमति के टुकड़े करने पर आमादा है। वास्तव में, पहलगाम की घटना के बाद से सामने आयी राष्ट्रीय सर्वानुमति में और खासतौर पर इस सर्वानुमति में विपक्ष की हिस्सेदारी में, एक प्रकार का इकतरफापन शुरूआत से ही था। एक ओर लगभग समूचे विपक्ष ने न सिर्फ पहलगाम की दरिंदगी की दो–टूक स्वर में निंदा की थी, आतंकवादियों तथा उनके आकाओं के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों के लिए भी आम तौर पर अपने समर्थन का ऐलान किया था। इसमें श्ऑपरेशन सिंदूरश का आमतौर पर समर्थन भी शामिल था। यह समर्थन, पहले पहलगाम की घटना के तीसरे दिन और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में बुलायी गयी, सर्वदलीय बैठकों के मंच से किया गया था। यहां तक कि बाद में इस समर्थन का अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विस्तार करते हुए, विपक्ष ने सांसदों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया, जिन्हें आतंकवाद तथा उसके लिए पाकिस्तान के समर्थन के मुद्दे पर भी भारत का पक्ष रखने के लिए, करीब तीन दर्जन देशों की राजधानियों में भेजा गया है, जो कार्यक्रम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भी चल ही रहा था। इतना ही नहीं, इस इकतरफापन को और भी गहरे रंग में रंगते हुए, विपक्ष ने आम तौर पर सत्ताधारियों से असुविधाजनक सवाल करने से भी परहेज किया था। मिसाल के तौर पर पहलगाम की घटना के पीछे सुरक्षा चूक के लिए जवाबदेही का सवाल गंभीरता से उठाने से प्रायरू परहेज किया गया। यह इसके बावजूद था कि हालात के दबाव में, सर्वदलीय बैठक के बाद सरकार के प्रवक्ता के रूप में मंत्री किरण रिजिजू ने खुद कुछ चूक होने की बात स्वीकार की थी, हालांकि बाद में सरकार ने इस स्वीकृति से पीछा छुड़ाने की तमाम कोशिशें की थीं। यहां तक कि सर्वदलीय बैठक से प्रधानमंत्री के अनुपस्थित रहने और बाद में बिहार में मधुबनी में जनसभा में पहुंचकर प्रधानमंत्री के मिट्टी में मिलाने के ऐलान करने पर भी, गंभीरता से सवाल उठाने से आम तौर पर बचा ही गया। ऐसा ही एक बार फिर हुआ जब ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में हुई सर्वदलीय बैठक में, एक बार फिर प्रधानमंत्री ने अनुपस्थित रहना ही पसंद किया। इतना ही नहीं, न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर से लेकर उसकी सफलता के दावों तक पर किसी भी तरह के गंभीर सवालों से आम तौर पर बचा गया बल्कि 10 मई की शाम से अचानक शस्त्र विराम किए जाने के तर्क और यहां तक शस्त्र विराम कराने के श्रेय के लिए अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बार–बार दोहराए जा रहे दावों पर, सवाल उठाने से भी प्रायः इसकी चिंता से बचा गया कि इससे कहीं राष्ट्रीय सर्वानुमति कमजोर न पड़ जाए। और तो और विदेश भेजे जाने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के लिए सत्ताधारी पार्टियों से इतर, अन्य पार्टियों के सांसदों के चयन में मोदीशाही की मनमानी पर भी कोई बलपूर्वक विरोध नहीं जताया गया। यह इसके बावजूद था कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी, कांग्रेस से चार नाम मांगने के बाद, उसके दिए नामों में से एक प्रतिनिधि के लिए ही मंजूरी दी गयी, जबकि प्रतिनिधिमंडलों के लिए उसके तीन अन्य नेता सत्ताधारी पार्टी ने खुद ही चुन लिए। बहरहाल, हद तो तब हो गयी जब मोदीशाही ने आतंकवाद के विरुद्ध जनाक्रोश को अपने राजनीतिक/चुनावी प्रचार की ओर मोड़ने की खुल्लमखुल्ला कोशिशें शुरू कर दीं। शीर्ष पर खुद प्रधानमंत्री मोदी ने, बीकानेर के सरकारी कार्यक्रम के अपने चुनावनुमा भाषण से इसकी शुरूआत कर दी, जिसे उसके फौरन बाद गुजरात में प्रधानमंत्री के ही रोड शो तथा आम सभाओं के जरिए, भाजपा के और भी खुले राजनीतिक प्रचार के साथ सीधे–सीधे जोड़ दिया गया। और उसके बाद से इसे इस तरह के आयोजनों का आम स्वर ही बनाया जा चुका है। इसी दौरान, संघ–भाजपा ने सैन्य पोशाकों में विभिन्न मुद्राओं में प्रधानमंत्री मोदी के बड़े–बड़े कटआउटों तथा बैनरों आदि के जरिए, आतंकवादविरोधी कार्रवाई को प्रधानमंत्री श्मोदी की निजी वीरताश के मिथक का हिस्सा बनाने की कोशिशें की हैं। इसी सिलसिले को शीर्ष तक पहुंचाने के लिए, संघ–भाजपा ने मोदी सरकार के स्थापना दिवस, 7 जून से ऑपरेशन सिंदूर का संदेश घर–घर ले जाने के लिए, घर–घर सिंदूर अभियान की कल्पना की थी, लेकिन इसकी संभावित प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान कर, इसे फेक न्यूज ही बताकर, जल्दी–जल्दी में इस विचार से ही पीछा छुड़ाने की कोशिश की गयी है। यहां यह ध्यान दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि घर–घर सिंदूर के ख्याल से पीछा छुड़ाने की हड़बड़ी के पीछे भी कोई इसकी चिंता नहीं थी कि इस तरह ऑपरेशन सिंदूर को संघ–भाजपा के राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बनाए जाने का, इस पूरे दौर में सामने आयी राष्ट्रीय सर्वानुमति पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस ख्याल से पीछा छुड़ाने के पीछे तो सिर्फ इसी की चिंता थी कि श्सिंदूर दानश के सांस्कृतिक प्रतीक के संदर्भ में, घर–घर सिंदूर भेजना उल्टा पड़ सकता था। बहरहाल, घर–घर सिंदूर योजना भले खटाई में पड़ गयी हो, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम का क्षुद्र राजनीतिकरण अब मुकम्मल हो चुका है। इसी पृष्ठभूमि में इंडिया गठबंधन के माध्यम से विपक्ष अगर अब, इस पूरे घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए, संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की आग्रहपूर्वक मांग करना जरूरी समझ रहा है, तो यह न सिर्फ बहुत ही जरूरी है बल्कि वास्तव में कुछ देरी से ही आ रही मांग है। याद रहे कि पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार सुरक्षा चूक से लेकर, ऑपरेशन सिंदूर के हानि–लाभ तक, तमाम सवाल अब तक अनुत्तरित ही बने हुए हैं।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार अक्षय की भांजी, अखबार में छपी तस्वीर देख बोले एक्टर- अपने बच्चे की फोटो देखने से बड़ी कोई खुशी नहीं

सुपरस्टार अक्षय कुमार का बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी दबदबा है। उन्होंने हमेशा अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीता है। वहीं, अब अक्षय की फैमिली से एक और सदस्य इंडस्ट्री में डेब्यू करने को तैयार है। यह कोई और नहीं, बल्कि उनकी भांजी सिमर भाटिया है, जो एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। सिमर भाटिया, श्रीराम राघवन की निर्देशित फिल्म इक्कीस से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इसमें वह अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। वहीं, भांजी के एक्टिंग डेब्यू से पहले उनके मामा और एक्टर अक्षय कुमार भावुक नजर आए। दरअसल, बॉम्बे टाइम्स ने साल 2025 में डेब्यू करने वाले स्टार्स पर एक लेख छापा। इसमें अक्षय की भांजी सिमर का नाम और उनकी एक खूबसूरत तस्वीर भी छपी है। एक्टर ने इसकी तस्वीर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की और साथ ही एक दिल जीतने वाला नोट लिखा। अक्की ने लिखा, जब मैंने पहली बार अखबार के कवर पेज पर अपनी तस्वीर देखी तो मुझे लगा कि यही सबसे बड़ी खुशी की बात है। लेकिन आज मुझे इस बात का अंदाजा लगा कि अपने बच्चे की तस्वीर को देखने से बड़ी कोई खुशी नहीं हो सकती है। अगर आज मेरी मां होती तो कहती कि सिमर पुत्तर तू तो कमाल है। सिमर को बधाई देते हुए एक्टर ने आगे लिखा, तुम्हें आशीर्वाद बेटा। बुलंदिया छूने के लिए पूरा आसमान तुम्हारा ही है। सिमर भाटिया ने भी अपने मामू की स्टोरी को री–पोस्ट किया है। बता दें, सिमर भाटिया, क्षय कुमार की बहन अल्का भाटिया की बेटी है। अल्का की पहली शादी से उनकी बेटी सिमर का जन्म हुआ, लेकिन बाद में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद अक्षय कुमार की बहन ने साल 2012 में बिजनेसमैन सुरेंद्र हीरनंदानी से दूसरी शादी की।

हिना खान के बाद अब इस फेमस सिंगर को भी हुआ ब्रेस्ट कैंसर, खुलासा कर बोलीं– मेरा दिल टूट जाता है..

देश–दुनिया में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक कई फेमस सेलिब्रेटीज भी इस गंभीर बीमारी का शिकार हो चुके हैं। पिछले साल जहां हिना खान ने अपने ब्रेस्ट कैंसर से जूझने का खुलासा किया था। वहीं, हाल ही में टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने भी बताया के उन्हें लिवर 2 कैंसर है। इसी बीच खुलासा हुआ है कि एक और पॉपुलर सिंगर ब्रेस्ट कैंसर की शिकार हो गई हैं। उन्होंने खुद ही बात की जानकारी दी है। सिंगर जेसी जे ने बताया है कि उनको अप्रैल में उनके 'नो सीक्रेट्स' ट्रैक से पहले ही कैंसर के बारे में पता चला है और जल्द ही उनकी सर्जरी भी होने वाली है। जेसी जे के नाम से फेमस सिंगर जेसिका एलेन कोर्निश ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनको शुरुआती ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। अप्रैल में उनका ट्रैक 'नो सीक्रेट्स' आया था और उससे पहले उन्हें अपनी बीमारी के बारे में पता चल गया था। उन्होंने आगे लिखा, 'नो सीक्रेट्स के आने से पहले ही मुझे ब्रेस्ट कैंसर का पता चल गया था। मैं इस शब्द को जल्दी ही उजागर कर रही हूं। कैंसर किसी भी रूप में बुरा होता है, लेकिन मैं इस शब्द को जल्दी ही पकड़े हुए हूं। ट्रैक के रिलीज के बाद से वो टेस्ट से गुजर रही हैं और अपने सपोर्टर्स के साथ अपनी यात्रा के बारे में वीडियो शेयर करना चाहती थीं।' जेसी ने आगे और बताया है कि उनकी जल्द ही सर्जरी होनी है और 15 जून को लंदन में समरटाइम बॉल में परफॉर्मेंस के बाद उनकी सर्जरी होगी। अपने कैंसर के बारे में बताने के अलावा सिंगर जेसी जे ने आगे अपने फैंस से कहा, 'यह जानकर मेरा दिल टूट जाता है कि इतने सारे लोग ऐसी ही और इससे भी बदतर हालातों से गुजर रहे हैं। यही वो बात है जो मुझे परेशान करती है।'

आरसीबी की जीत के जश्न के बीच अनुष्का की घड़ी ने लूट ली लाइमलाइट, महंगी जींस के भी हो रहे चर्चे

आरसीबी 2025 की जीत क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद खास रही। जीत के इस जश्न में जब विराट कोहली की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा स्टेडियम में पहुंचीं, तो उनकी स्टाइल और फैशन सेंस ने हर किसी का ध्यान खींचा। उनकी 27,000 का राइनस्टोन जींस और महंगी रोलेक्स घड़ी के हर तरफ चर्चे हो रहे हैं। अनुष्का ने जो जींस पहनी थी, वह राइनस्टोन से सजी हुई थी। इस जींस की कीमत है ध27,000 (लगभग न्$ 325)। यह जींस एक हाई–एंड फैशन ब्रांड की है, जो खासतौर पर स्टार्स के बीच लोकप्रिय है। चमचमाती राइनस्टोन डिटेलिंग ने स्टेडियम की लाइट में उनकी लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया। राइनस्टोन जींस आम जींस से हटकर होती है– ये पार्टी वियर की तरह दिखती है और कैमरे की फ्लैश लाइट में बहुत ज्यादा चमकती है, जो सेलिब्रिटी लुक के लिए परफेक्ट है। अनुष्का शर्मा ने इस मौके पर जो घड़ी पहनी थी, वह थी रोलेक्स डायटन जो दुनिया की सबसे प्रीमियम घड़ियों में से एक मानी जाती है। इसकी कीमत लगभग 27 से 35 लाख रुपये के बीच बताई जा रही है, मॉडल और डिजाइन पर निर्भर करता है। घड़ी में गोल्ड डायल, क्रोनोग्राफ डिटेलिंग, और शानदार बेल्ट फिनिश था, जो पूरी लुक में रॉयल टच जोड़ रहा था। अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। फैंस ने लिखा–आरसीबी की जीत जितनी बड़ी थी, उतनी ही बड़ी स्टाइल क्वीन अनुष्का की एंट्री भी!"कुछ यूजर्स ने कहा विराट कोहली ने मैदान पर जलवा बिखेरा और अनुष्का ने स्टाइल से शो चुरा लिया! आरसीबी की इस जीत के मौके पर जहां विराट कोहली और टीम ने फैंस को गर्वित किया, वहीं अनुष्का शर्मा ने अपने लुक से फैशन प्रेमियों को मंत्रमुग्ध ा कर दिया। 27,000 की चमचमाती जींस और लाखों की रोलेक्स घड़ी उनके ग्लैमर, क्लास और सादगी से भरे परफेक्ट कॉम्बिनेशन को दर्शाता है।

रवि दुबे और सरगुन मेहता ने की ड्रीमियाटा ड्रामा के नए चौप्टर की शुरुआत

पावर कपल रवि दुबे और सरगुन मेहता, जो अपनी क्रिएटिव सोच और सक्सेसफुल प्रोडक्शन वेंचर्स के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने अपने बैनर ड्रीमियाटा ड्रामा के तहत एक नया और एक्साइटिंग चौप्टर अनाउंस किया है। कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि अब ड्रीमियाटा ड्रामा के अंदर एक नया वर्टिकल शुरू किया जा रहा है जिसका नाम है, ड्रीमियाटा ड्रामा डिस्कवरी। ये खासतौर पर सिंडिकेटेड कॉन्टेंट पर फोकस करेगा। इस नए वर्टिकल 'ड्रीमियाटा ड्रामा डिस्कवरी' का हिस्सा बनते हुए रवि दुबे और सरगुन मेहता ने अपने पहले प्रोजेक्ट का भी ऐलान किया है, जिसका नाम है 'चम्पा लीला'। इस शो में लीड रोल निभा रहे हैं संजय मिश्रा, जो अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जाने जाते हैं। रवि दुबे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने चम्पा लीला प्रोजेक्ट का ऐलान किया और साथ ही सिंडिकेटेड कंटेंट की एक नई सीरीज लाने का वादा भी किया। इस पोस्ट के साथ रवि ने कैप्शन में लिखा है। खुशी है ये घोषणा करते हुए कि ड्रीमियाटा ड्रामा का नया वर्टिकल ड्रीमियाटा ड्रामा डिस्कवरी लॉन्च किया गया है, जहां हम अपने प्लेटफॉर्म पर सिंडिकेटेड कंटेंट दिखाएंगे। इस स्लेट का पहला प्रोजेक्ट है #champaleela, जिसमें लेजेंडरी @imsanjaimishra जी लीड रोल में हैं।

कमल हासन और सिलंबरासन स्टारर फिल्म की खराब शुरुआत!! नेटिज़ेंस ने दूसरे भाग पर सवाल उठाया

ठग लाइफ ट्विटर समीक्षारू मणिरत्नम की कमल हासन, सिलंबरासन टीआर और त्रिशा कृष्णन अभिनीत ठग लाइफ गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म की समीक्षा एक ध्रुवीकरण वाली तस्वीर पेश करती है, जिसमें कई प्रशंसकों को फिल्म के कुछ हिस्से पसंद आए, लेकिन बड़े पैमाने पर आलोचना की गई कि कैसे दूसरा भाग खराब हो गया।

कमल हासन अभिनीत ठग लाइफ का पहला भाग अच्छी तरह से बनाया गया

एक एक्स उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, ष्ठग लाइफ अच्छी तरह से बनाया गया और अच्छा पहला भाग जिसने मुझे कुरोसोवा की रान और कुछ जगहों पर मणि की अपनी नायकन की याद दिला दी। शुरुआती दृश्य के बाद कुछ भी असाधारण नहीं है, लेकिन शिकायत करने के लिए भी कुछ नहीं है।ष एक अन्य ने कहा, षनिश्चित रूप से उतनी बुरी नहीं जितनी कि मैं सुबह से समीक्षा पढ़ रहा हूँ। मणिरत्नम की सुस्थापित शैली में अब तक काफ़ी अच्छा गैंगस्टर ड्रामा। कमल और एसटीआर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हैं, फ़िल्म की शुरुआत अच्छी रही और बदलाव के लिए, गैंगस्टर फ़िल्म होने के कारण, मैंने एक्शन से ज़्यादा कुछ संवादात्मक भागों का आनंद लिया। नकारात्मक पक्ष त्रिशा के कुछ हिस्से और इंटरवल ब्लॉक हैं, लेकिन इसके अलावा फ़िल्म अब तक पसंद आ रही है!

फ़िल्म के दूसरे भाग को मिर्ज़ापुर और पाताल लोक का रीहैश कहा जाता है

तीसरे उपयोगकर्ता ने कहा, मणिरत्नम शैली में अब तक का एक बढ़िया गैंगस्टर ड्रामा। कमल हासन चमकते हैं जबकि सिलंबरासनटीआर शो चुरा लेते हैं! कमल का युवा रूप और युवा एसटीआर के साथ बंधन। थोड़ा धीमा वर्णन लेकिन अच्छा विस्तार भी।ष एक और ने कहा नफरत करने वाले, ट्रोल करने वाले, बनावटी, विषाक्तता /पांउंसींद ने यह सब देखा है। आप और मुझ पर विश्वास करें कि आम फ़िल्म प्रेमी जो अपना पैसा खर्च करते हैं ठग लाइफ़ शानदार है। एक मास्टरक्लास। 10 साल बाद तारीफ करना बंद करो, अभी करो। इसे मिस मत करो। दूसरे यूजर ने टिप्पणी की पूरी फिल्म में केएच की एक्टिंग देखकर मैं दंग रह गया और एसटीआर ने भी शानदार काम किया, छोटे बच्चे के हाव–भाव और पूरी कास्ट ने कमाल कर दिया!! एआरआर का संगीत बहुत बड़ी ताकत है, लेकिन कुछ हिस्सों में यह थोड़ा अलग लगा.. दूसरा भाग खराब लेखन से ग्रस्त है! मणिरत्नम की फिल्म के दूसरे भाग से नेटिज़न्स काफ़ी निराश थे। एक प्रशंसक ने कमल से अपनी कहानियाँ लिखना बंद करने का अनुरोध किया, "जैनहस्पमि – एक बहुत बड़ी आपदा। एक कट्टर आनंदवर प्रशंसक के रूप में मैं रुप्दकपंद2 के बाद फिर से निराश हूँ। एक सामान्य और उबाऊ कहानी। एक भी दृश्य अच्छा नहीं है। आनंदवर कृपया अपनी कहानियाँ लिखना बंद करें और अपनी कहानियों में अभिनय करना बंद करें।" हालांकि, अधिकांश व्यापार विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस निर्णय से फिल्म के समग्र बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। इंडिया टुडे से बात करते हुए, व्यापार विशेषज्ञों ने गुरुवार को पूरे देश में फिल्म के लिए 30–40 करोड़ रुपये की ओपनिंग की भविष्यवाणी की, जिसमें अकेले तमिल बाजार से 20–25 करोड़ रुपये की कमाई हुई।

आलिया भट्ट ने बेस्ट फ्रेंड की शादी से शेयर कीं अनदेखी तस्वीरें, फंक्शन में ब्राइड्समेड की भूमिका निभाई

कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में लोगों का ध्यान खींचने के बाद, आलिया भट्ट अपनी सबसे अच्छी दोस्त तान्या साहा गुप्ता की शादी में शामिल होने के लिए स्पेन रवाना हुईं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर समारोह की कुछ झलकियाँ शेयर कीं। एक तस्वीर में, वह बगीचे में तान्या को गले लगाती हुई दिखाई दे रही हैं, उन्होंने क्रीम कढ़ाई वाली जैकेट और फ्लेयर्ड पैंट पहनी हुई है, जबकि तान्या ने सॉफ्ट पिंक लहंगा पहना हुआ है। एक अन्य तस्वीर में उन्हें सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए दिखाया गया है, तान्या ने लंबे घूंघट के साथ एक सुंदर सफेद गाउन पहना हुआ है, और आलिया ने फ्लोरल इयररिंग्स के साथ एक काले रंग का सीक्विन गाउन पहना हुआ है।

आलिया भट्ट ने ठथ्थ की शादी की तस्वीरें शेयर की

बुधवार को, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक कैरोसेल पोस्ट शेयर किया, जिसमें शादी में अपनी तस्वीरें, विभिन्न प्री–वेडिंग और शादी के उत्सवों की तस्वीरें शामिल हैं। इसमें दुल्हन के साथ उनकी एक तस्वीर और शादी से उनके लुक शामिल थे। आलिया एक आधुनिक ब्लैक स्ट्रैपलेस ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने एक अन्य शादी समारोह की झलकियाँ भी पोस्ट कीं, जहाँ उन्होंने एक आकर्षक सफ़ेद अलंकृत ब्रालेट चुना, जिसे मैचिंग ब्लेज़र और क्रीम स्कर्ट के साथ जोड़ा गया। अपनी पोस्ट में, आलिया ने लिखा, ष्अपनी सबसे अच्छी दोस्त को उसके जीवन के प्यार से शादी करते हुए देखने वाली लड़कियों के समूह से ज़्यादा कोमल, मज़बूत या चमकदार कुछ भी नहीं है @tanya-sg @d-angelov सबसे खूबसूरत शादी, सबसे खूबसूरत दुल्हन – और दिल जितना हम सोच भी नहीं सकते थे, उससे कहीं ज़्यादा भरा हुआ। कुछ जगहें घर जैसी लगती हैं – हमारी जगह वह है जहाँ हम साथ होते हैं। एक अन्य फ़ोटो में, आलिया नवविवाहित जोड़े और अपने करीबी दोस्तों के साथ पोज़ देते हुए मुस्कुरा रही हैं। आलिया ने सरसों के पीले रंग के ब्लाउज़ के साथ रंगीन कलीदार लहंगा पहना था।

बच्चे को चीनी खिलाएं या नहीं? इसका सही जवाब मिलेगा यहां

माता–पिता ने अपने बच्चों के चीनी सेवन में कटौती कर दी है। एक न्यूरोसाइंटिस्ट ने मस्तिष्क के कामकाज पर उच्च चीनी वाले ष्जंक फूड्ष आहार के नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया है, जिसमें दावा किया गया है कि अत्यधिक चीनी के सेवन से युवा दिमाग को कोई लाभ नहीं होता है। लेकिन आज के वैज्ञानिक प्रमाण इस दावे का समर्थन नहीं करते हैं कि चीनी बच्चों को अतिसक्रिय बनाती है।

अतिसक्रियता मिथक

चीनी शरीर के लिए ईंधन का एक तीव्र स्रोत है। चीनी से प्रेरित सक्रियता के मिथक का पता 1970 और 1980 के दशक की शुरुआत में किए गए कुछ अध्ययनों से लगाया जा सकता है। यह फिंगोल्ड डाइट पर केंद्रित किया गया था, जो एक ऐसी बीमारी के उपचार के रूप में अपनाया गया था, जिसे अब हम अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) कहते हैं, एक न्यूरोडाइवर्जेंट प्रोफाइल जहां असावधानी औरध्या अति सक्रियता और आवेग की समस्याएं स्कूल, काम या रिश्तों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं। कुछ अध्ययन में दावा किया गया है कि अतिसक्रिय बच्चों का एक बड़ा हिस्सा उनके आहार के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया देता है।

चीनी पर किए गए कई अध्ययन

कई अध्ययनों से पता चला है कि चीनी बच्चों के व्यवहार या ध्यान अवधि पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं डालती है। लगभग 20 साल पहले प्रकाशित एक ऐतिहासिक मेटा–विश्लेषण अध्ययन में कई अध्ययनों में बच्चों के व्यवहार पर प्लेसिबो बनाम चीनी के प्रभावों की तुलना की गई थी। परिणाम स्पष्ट थेरू अधिकांश अध्ययनों में, चीनी के सेवन से सक्रियता या विघटनकारी व्यवहार में वृद्धि नहीं हुई। बाद के शोध ने इन निष्कर्षों को मजबूत किया है, जिससे यह सबूत मिलता है कि चीनी बच्चों में अति सक्रियता का कारण नहीं बनती है, यहां तक कि एडीएचडी से पीड़ित लोगों में भी नहीं। स्कूल–पूर्व आयु वर्ग के बच्चे बड़े बच्चों की तुलना में खाद्य योजकों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। यह संभवतः उनके शरीर के छोटे आकार, या उनके अभी भी विकसित हो रहे मस्तिष्क और शरीर के कारण है।

बच्चों के खाने–पीने का रखें ख्याल

एक अध्ययन में जहां माता–पिता को बताया गया कि उनके बच्चे को या तो मीठा पेय, या प्लेसबो पेय (गैर–चीनी स्वीटनर के साथ) दिया गया था, उन माता–पिता को, जो उम्मीद करते थे कि चीनी लेने के बाद उनका बच्चा अतिसक्रिय हो जाएगा, उन्हें वैसे ही प्रभाव का अनुभव हुआ, भले ही उनके बच्चे ने केवल शुगर–फ्री प्लेसिबो लिया था। चीनी को राक्षसी ठहराने के बजाय, हमें संयम और संतुलित पोषण को प्रोत्साहित करना चाहिए, बच्चों को स्वस्थ खान–पान की आदतें सिखानी चाहिए और भोजन के साथ सकारात्मक संबंध को बढ़ावा देना चाहिए। बच्चों और वयस्कों दोनों में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) मुक्त चीनी की खपत को ऊर्जा सेवन के 10 प्रतिशत से कम तक सीमित करने और आगे के स्वास्थ्य लाभ के लिए इसे 5 प्रतिशत तक कम करने की सिफारिश करता है।

हल्दी का तेल त्वचा और बालों के लिए किसी खजाने से कम नहीं, मिलते हैं जबरदस्त फायदे

हल्दी के चमत्कारिक फायदे से हम सभी परिचित हैं, जैसे कि हल्दी का मास्क चेहरे पर लगाते हैं। लेकिन क्या आप अपनी त्वचा और बालों के लिए हल्दी तेल के उपयोग के बारे में जानते हैं? हल्दी से प्राप्त हल्दी का तेल एक बहुमुखी और शक्तिशाली प्राकृतिक उपचार है जो कई लाभ प्रदान करता है। हल्दी के तेल में शक्तिशाली जड़ी–बूटियां और सूजन–रोधी क्षमताएं हैं, जो इसे आपके सौंदर्य में एक प्रमुख घटक बनाती है। 2016 में जर्नल फाइटोथेरेपी रिसर्च में प्रकाशित एक अध्ययन में त्वचा पर हल्दी तेल के प्रभाव की जांच की गई। निष्कर्षों से तेल के कई लाभकारी प्रभावों का पता चला, जिसमें खोपड़ी पर शीर्ष पर लगाने पर बालों के झड़ने, खोपड़ी की खुजली और रूसी को संबोधित करने में इसकी प्रभावशीलता भी शामिल है।

हल्दी तेल के त्वचा संबंधी लाभ

एंटी–इंफ्लेमेटरी के गुण

हल्दी के तेल में करक्यूमिन होता है, जो एक शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी यौगिक है। हल्दी के तेल को ऊपर से लगाने से मुंहासे, एक्जिमा और सोरायसिस जैसी विभिन्न त्वचा स्थितियों से जुड़ी सूजन, लालिमा और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।

एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा

हल्दी तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों को बेअसर करने में मदद करते हैं, त्वचा कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाते हैं। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने, महीन रेखाओं, झुर्रियों और उम्र के धब्बों की उपस्थिति को कम करने और अधिक यूथ रंगत को बढ़ावा देने में मदद करता है।

मुंहासे का उपचार

हल्दी के तेल में जीवाणुरोधी और रोगाणुरोधी गुण होते हैं जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में प्रभावी होते हैं। यह सीबम के उत्पादन को भी नियंत्रित करता है, जो बंद छिद्रों और ब्रेकआउट को रोकने में मदद करता है। नियमित रूप से हल्दी तेल का उपयोग करने से मुंहासे को साफ करने और साफ रंगत को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

चमकदार और समान त्वचा टोन

हल्दी के तेल में त्वचा को चमकाने वाले गुण होते हैं जो काले धब्बे, हाइपरपिग्मेंटेशन और मुंहासे के निशान को कम करने में मदद कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह मेलेनिन के उत्पादन को रोकता है, जो त्वचा के रंग के लिए जिम्मेदार वर्णक है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा का रंग एकसमान और चमकदार होता है।

मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग

हल्दी का तेल आवश्यक फैटी एसिड और विटामिन से भरपूर होता है जो त्वचा को पोषण और हाइड्रेट करता है, जिससे यह नरम, कोमल और नमीयुक्त हो जाता है। यह त्वचा के प्राकृतिक अवरोधक कार्य को मजबूत करने, नमी की कमी को रोकने और समग्र त्वचा स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है।

हल्दी तेल के बालों के फायदे

बालों के विकास को बढ़ावा देता है

हल्दी का तेल बालों के रोम में रक्त परिसंचरण में सुधार करके, जड़ों को मजबूत करके और बालों का झड़ना कम करके बालों के विकास को बढ़ावा देता है।

स्कैल्प की स्थिति का इलाज करता है

हल्दी तेल के सूजन–रोधी और एंटिफंगल गुण विभिन्न खोपड़ी स्थितियों, जैसे रूसी, खुजली और खोपड़ी सोरायसिस को शांत करने और ठीक करने में मदद करते हैं। यह खोपड़ी के पीएच स्तर को संतुलित करने में भी मदद करता है, जिससे स्वस्थ बालों के विकास के लिए एक इष्टतम वातावरण बनता है।

चमक जोड़ता है

इसके अलावा, हल्दी के तेल में करक्यूमिनोइड्स होते हैं, जो बालों को प्राकृतिक चमक और चमक प्रदान करते हैं। हल्दी तेल का नियमित उपयोग सुस्त, बेजान बालों को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है, जिससे वे स्वस्थ और अधिक जीवंत दिखते हैं।

सिर की त्वचा की जलन को शांत करता है

हल्दी के तेल में सुखदायक गुण होते हैं जो खोपड़ी की जलन और सूजन को शांत करने में मदद कर सकते हैं। यह खुजली, लालिमा और असुविधा से राहत देता है, संवेदनशील या चिड़चिड़ी खोपड़ी वाले लोगों को राहत प्रदान करता है।

हल्दी तेल का उपयोग कैसे करें

फेस मास्क

DIY फेस मास्क बनाने के लिए हल्दी के तेल को अन्य प्राकृतिक सामग्री जैसे शहद, दही, या दलिया के साथ मिलाएं। मास्क को ताजी साफ की गई त्वचा पर लगाएं और धोने से पहले इसे 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

बालों के तेल से उपचार

हल्दी के तेल को हल्का गर्म करें और इससे सिर और बालों में मालिश करें। अधिकतम लाभ के लिए इसे रात भर लगा रहने दें, फिर अगली सुबह हल्के शैम्पू से धो लें।

स्पॉट ट्रीटमेंट

मुंहासों के दाग, निशान या काले धब्बों पर सीधे हल्दी तेल की एक बूंद लगाएं, ताकि समय के साथ उन्हें हल्का करने में मदद मिल सके। किसी भी एलर्जी प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए पहले से ही पैच परीक्षण करना सुनिश्चित करें।

त्वचा को हेल्दी और जवां रखने के लिए फॉलो करें ये नाइट केयर रूटीन, झुर्रियों की होगी छुट्टी

त्वचा संबंधी परेशानियों में झुर्रियों की समस्या भी शामिल है। झुर्रियों के कारण फेस पर फाइन लाइंस आने लगती हैं और त्वचा की कसावट कम हो जाती है। हालांकि झुर्रियों की समस्या अधिकतर बढ़ती उम्र में नजर आती है। लेकिन कई बार अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण यह कम उम्र में भी चेहरे पर नजर आ सकती है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल में तनाव लेना, जंक फूड का अधिक सेवन करना और देरी से सोना आदि शामिल है। वहीं खासकर नाइट रूटीन से जुड़ी कई अनहेल्दी आदतें रिंकल्स का कारण बन सकती हैं। क्योंकि रात के समय आपकी स्किन को हील और रिपेयर होने का समय मिलता है। ऐसे में अगर आप रात में कुछ स्किन केयर रूटीन अपनाती हैं, तो झुर्रियों का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपकी त्वचा को हेल्दी और जवां रखने में मदद करेंगी।

सिल्क का तकिया

सोने के दौरान सिर्फ सिल्क का तकिया इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि सिल्क आपकी स्किन में नमी को बनाए रखता है। ऐसे में यदि आप अगर सिल्क की तकिया पर चेहरा भी रख लेंगे, तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान नहीं होगा।

मेकअप रिमूव करें

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो रोजाना मेकअप करती हैं। तो रात में सोने के दौरान मेकअप रिमूव करना न भूलें। क्योंकि मेकअप में तमाम सारा केमिकल मौजूद होता है, जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए फेसवॉस कर स्किन को मॉइस्चराइज करें। इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहती है।

स्किन को मॉइस्चराइज करें

रात को सोने से पहले अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज करना न भूलें। मॉइस्चराइज करने से आपकी त्वचा में नमी बनी रहती है और त्वचा हेल्दी रहती है। क्योंकि रात में त्वचा को हील और रिपेयर होने का समय मिलता है। ऐसे में जब आप सोने से पहले स्किन को मॉइस्चराइज करते हैं, तो आपकी त्वचा स्मूद और सॉफ्ट बनती है।

स्क्रीन टाइम करें कंट्रोल

स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। क्योंकि स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू रेज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए सोने से करीब 1 घंटे पहले से मोबाइल का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। वहीं सोने से पहले स्किन केयर रूटीन और दिमाग को रिलैक्स करने वाली एक्टिविटी कर सकते हैं।

क्लींजिंग है जरूरी

सोने से पहले क्लींजिंग करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि पूरे दिन में धूल–धूप और मिट्टी के संपर्क में आने से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में अगर आप सोने से पहले क्लींजिंग नहीं करती हैं, तो स्किन सेल्स में गंदगी जमने लगती है। इसलिए सोने से पहले क्लींजिंग जरूर करें, इससे आपकी त्वचा हेल्दी और जवां बनी रहेगी।

कैफीन करें अवॉइड

कई लोग रात में सोने के दौरान चाय या कॉफी का सेवन करते हैं। चाय और कॉफी में कैफीन पाया जाता है, जो आपकी त्वचा को ड्राई बना सकता है। वहीं कैफीन का सेवन करने से आपकी नींद भी प्रभावित हो सकती है। जोकि डार्क सर्कल्स और झुर्रियों का कारण बन सकती है। इसलिए अगर आपको रात में चाय या कॉफी पीने की आदत है, तो सोने से करीब 4–5 घंटे पहले इसका सेवन करना चाहिए।

गर्मी होगी छूमंतार घर पर बनाएं ऑरेंज स्लश, इस तरह से बनाएं ये आइस ड्रिंक

गर्मियों में अक्सर कुछ ठंडा खाने का मन करता ही रहता है। ऐसे में आप सभी शिकंजी, लस्सी, कुल्फी, आइसक्रीम और चुस्की के जरुर मजे लेते हैं। गर्मी में खुद को कूल रखने के लिए घर में आप ऑरेंज स्लश बना सकते हैं। इसमें फ्रूट्स और अन्य फ्लेवर्स को बर्फ के साथ तैयार किया जाता है। यह एक थीक आइस ड्रिंक होती है। इसमें फ्लेवर्ड आइस को चूरा–चूरा कर दिया जाता है, इसे आप आराम से पी सकते हैं। चलिए आपको इस रेसिपी की विधि बताते हैं।

ऑरेंज स्लश की सामग्री

– आइस क्यूब की ट्रे
– आधा किलो संतरे या ऑरेंज जूस
– स्वादनुसार चीनी
– एक बड़ा चम्मच नींबू का रस
– प्लेन सोडा
– शहद या मेपल सिरप

ऑरेंज स्लश बनाने का तरीका

– सबसे पहले आप ऑरेंज जूस ले सकते हैं या फिर ताजा संतरे से ही जूस निकालकर उसका प्रयोग करें।

– संतरे का जूस निकालकर उसमें चीनी डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स कर लें। चीनी अच्छी तरह से घुल जानी चाहिए।

– आप इसमें चीनी की जगह शहद या मेपल सिरप भी डाल सकते हैं।

– अब ऑरेंज का जूस में आधा कप सोडा और एक चम्मच नींबू का रस डालें। अच्छी तरह से सामग्री को मिलाएं। इस तैयार ड्रिंक को फ्रिज में चिल्ड होने के लिए लगभग डेढ़– दो घंटे के लिए रख दें।

– आपके फ्रीजर में से आइस क्यूब की ट्रे निकालकर क्यूब्स को ब्लेंडर में डालकर क्रश करें। अगर आपके पास आइस का बड़ा ब्लॉक है, तो उसे शेव भी कर सकते हैं।

– एक गिलास में क्रश की हुई आइस डालें और उसमें फ्रिज से निकाला हुआ संतरे का जूस डालकर चम्मच की मदद से अच्छी तरह से मिलाएं और सर्व करें।

– वहीं आप इसे किसी भी तरह के फ्रूट जूस से बना सकते हैं। दिन भर इस ड्रिंक को धीरे–धीरे सिप करें और गर्मी से राहत पाएं।

संक्षिप्त

फ्लिपकार्ट ने लिया ऐस फैसला, अब बिकेगी हिस्सेदारी, शेयर का हुआ ये हाल

ई कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने आदित्य बिड़ला फैशल व रिटेल में अपनी हिस्सेदारी बेच दी है। फ्लिपकार्ट की पूरी हिस्सेदारी छह फीसदी की है जो 588 करोड़ रुपये की है। फ्लिपकार्ट ने ओपन मार्केट में ट्रांजेक्शन के जरिए शेयर की बिक्री की है। शेयर बेचे जाने के साथ ही फ्लिपकार्ट एबीएफआरएल से अलग हुई है। आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल पैंटालून्स, वैन ह्यूसेन, लुइस फिलिप जैसे ब्रांड्स है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक फ्लिपकार्ट ने अपनी सब्सिडरी कंपनी फ्लिपकार्ट इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के जरिए एबीएफआरएल में शेयर बेच दिए है। जो शेयर बेचे गए हैं वो कंपनी की लगभग छह फीसदी की हिस्सेदारी है। इस छह फीसदी हिस्सेदारी की कुल कीमत 588 करोड़ रुपये है। जानकारी के मुताबिक इन शेयरों को 80.32 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव बेचा गया है। जितने शेयर बेचे गए हैं उसकी संख्या 7,31,70,731 है, जिसके बाद इसकी ट्रांजेक्शन वैल्यू कुल मिलाकर 587 करोड़ रुपये हो गई है। हालांकि एनएसई पर आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल के शेयर खरीदने वाली यूनिट्स की जानकारी नहीं मिली है। अक्टूबर 2020 में आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी ने फ्लिपकार्ट से 1,500 करोड़ रुपये का कोष जुटाने की जानकारी दी थी।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल के शेयरों पर हुआ असर

एनएसई पर आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल के शेयर नीचे गिर गए है। इस फैसले के बाद शेयर में 10.37 फीसदी की गिरावट आई है। शेयर की कीमत अब 77.08 रुपये पर पहुंच गई है। दूसरी तरफ बीएसई में कंपनी के शेयर 9.19 रुपये (10.69:) की गिरावट के साथ 76.79 रुपये के भाव पर बंद हुए थे।

भारतीय रेलवे के जरिये वित्त वर्ष 2024-25 में 5.18 लाख वाहन भेजे : मारुति सुजुकी

मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2024–25 में भारतीय रेलवे के जरिये सर्वाधिक 5.18 लाख वाहन भेजे। कार बाजार की अग्रणी कंपनी ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2014–15 से अभी तक भारतीय रेलवे के जरिये करीब 24 लाख वाहन भेजे गए हैं। वाहन विनिर्माता ने कहा कि वर्तमान में भारतीय रेलवे के जरिये 20 से अधिक केंद्रों में वाहन भेजे जाते हैं। इससे समूचे भारत में 600 से अधिक शहरों में सेवा दी जाती हैं।

कंपनी द्वारा निर्यात के लिए उपयोग किए जाने वाले मुंद्रा और पीपावाव के बंदरगाह स्थानों को भी रेलवे के माध्यम से सेवा दी जाती है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, '' कार्बन उत्सर्जन को कम करना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है...उत्पादों तथा परिचालन दोनों स्तर पर।'' उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल–फ्रेट–ट्रेन–ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। ताकेउची ने कहा, '' तब से, हमने रेलवे के जरिये करीब 24 लाख वाहन भेजे हैं। वित्त वर्ष 2030–31 तक, हम रेलवे के माध्यम से वाहन प्रेषण की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की योजना बना रहे हैं।'' मारुति सुजुकी वर्तमान में 40 से अधिक 'फ्लेक्सी डेक रेक' संचालित करती है, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता प्रत्येक यात्रा पर करीब 300 वाहन ले जाने की है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी

घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। विश्लेषकों ने बताया कि इसके अलावा, एशियाई बाजारों में बड़े पैमाने पर मजबूत रुख ने भी घरेलू बाजारों में सकारात्मकता को बढ़ावा दिया। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 197.83 अंक चढ़कर 81,196.08 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 71 अंक की बढ़त के साथ 24,691.20 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30

कंपनियों में से इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्म, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक, अदाणी पोट्र्स और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक मुनाफे में रहे। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में गिरावट आई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। वहीं जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को मिले–जुले रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.78 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,076.18 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू की जाए, टैक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग की मांग

मुंबई। देश का टेक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग पिछले कुछ सालों से कई परेशानियों से दो चार हो रहा है, जिसको लेकर हाल ही में कैट की टेक्सटाइल व गार्मेंट समिती ने केंद्र सरकार से देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की मांग की है। कारोबारियों ने अपनी परेशानियों को लेकर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री गिरिजराज सिंह को पत्र लिखा है। इसमें कपड़ा उद्योग में बढ़ते संगठित धोखाधड़ी, फर्जी जीएसटी पहचान, साइबर अपराधा और भुगतान को लेकर बढ़ते घोटालों पर चिंता व्यक्त की गई है।

छोटे और मंझोले कारोबारियों के हित में बने नीति

कैट के टैक्सटाइल एवं गार्मेंट समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चम्पालाल बोथरा ने बताया कि भारत सरकार से हमने देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए विशेषकर छोटे और मंझोले कपड़ा कारोबार को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय कपड़ा व्यापार सुरक्षा नीति की मांग की है। हमने केंद्र सरकार से हर राज्य में टेक्सटाइल फ्रॉड प्रोटेक्शन सेल को बनाने, राष्ट्रीय टैक्सटाइल व्यापारी डेटाबेस का निर्माण करने, जिसमें व्यापारियों की जीएसटी से जुड़ी समस्या सुनी जाए और जीएसटी पोर्टल की निगरानी जिसमें गलत जीएसटी नंबर की पहचान की हो और उसे कैंसल भी किया जा सकें। साथ ही नकली भुगतान स्क्रीनशॉट और साइबर फ्रॉड से बचने के लिए साइबर सुरक्षा प्रणाली को व्यापार के संगठनों से जोड़ने का अनुरोध किया गया है। उनका कहना है कि व्यापारियों की पहचान के लिए सत्यापन प्रणाली लागू की जाने की आवश्यकता है, इससे कारोबार में होने वाले फ्रॉड लेनदेन पर रोक लगेगी। सरकार को व्यापार धोखाधड़ी बीमा मॉडल (ट्रेड फ्रॉड इंश्योरेंस) पर ध्यान देने की जरुरत है।

कपड़ा उत्पादक मंडियों में बड़े पैमानियों पर कारोबारियों से ठगी चिंता की बात

बोथरा कहते हैं सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद, दिल्ली और तिरुपुर, इंदौर, भिवंडी, मालेगांव, जबलपुर जैसे कपड़ा उत्पादक मंडियों में करोड़ रुपये की धोखाधड़ी होती है। अकेले सूरत जैसे मार्केट में हाल के महीनों में सौ करोड़ रुपये की

ठगी का मामला सामाने आया है। मुंबई के कपड़ा व्यापार संगठन भारत मर्चेंट चौंबर के धर्मेश भट्ट का कहना है, कि पिछले कई सालों से टैक्सटाइल एवं गार्मेंट कारोबार परेशानियों से गुजर रहा है। जिसमें छोटे और मध्यम आकार के कारोबारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसकी बड़ी वजह कारोबार में बढ़ती धोखाधड़ी है। वे बताते हैं कि मुंबई से लेकर सूरत तक के कपड़ा बाजार में नकली कारोबारी बनकर, जिसमें उनके पास जीएसटी नंबर भी होता है, वे व्यापारी थोड़े पैसे देकर लाखों का माल ले जाते हैं। जिसकी वजह से लाखों रुपये का नुकसान कारोबारी के साथ उद्योग को हो रहा है।

कारोबार और रोजगार की सुरक्षा के लिए सरकार लागू करे नीति

भिवंडी पावरलूम के संघ अध्यक्ष सेजपाल बताते हैं कि सरकार को टैक्सटाइल और गार्मेंट उद्योग के लिए सुरक्षा नीति बनाने की जरूरत है, क्योंकि इससे लाखों लोगों का कारोबार और रोजगार जुड़ा हुआ है। भिवंडी पावरलूम की बात करें तो वर्तमान में लाखों इकाइयां बंद हो चुकी हैं और जो बची हुई हैं वो बंद होने की कगार पर हैं। दूसरा गार्मेंट कारोबारी अपने कारोबार को चलाने के लिए कई तरह की चुनौतियां का सामना कर रहे हैं, जिसमें पेमेंट को लेकर कई तरह की परेशानियां उनके सामने हैं। इसलिए सरकार को विशेषकर छोटे कपड़ा व्यापारियों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की जरुरत है।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का एलान, टंग-कुक नए चेहरे, वोक्स की वापसी

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। बेन स्टोक्स टीम की अगुआई करेंगे। इस टीम में जोश टंग और सैम कुक नया चेहरा होंगे। वहीं, क्रिस वोक्स की वापसी हुई है। टंग और वोक्स भारत–ए के खिलाफ छह जून से शुरू हो रहे अनधिकृत मैच में इंग्लैंड लायंस टीम का भी हिस्सा हैं। वहीं, जेमी ओवरटन की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीमरू बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुक, जैक क्राउली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स। टंग और कुक हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट में टीम का हिस्सा रहे थे। टंग मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं, जबकि कुक दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। इसके अलावा ओवरटन भी खेलते दिखेंगे, जो तेज गेंदबाजी के साथ–साथ बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। टीम को गस एटकिंसन की कमी खलेगी, जो चोटिल होने की वजह से पहले टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ओवरटन की 2022 के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

भारत के इंग्लैंड दौरे का शेड्यूल

मैच	तारीख	स्थान
पहला टेस्ट	20–24 जून	लीड्स
दूसरा टेस्ट	2–6 जुलाई	बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट	10–14 जुलाई	लंदन
चौथा टेस्ट	23–27 जुलाई	मैनचेस्टर
पांचवां टेस्ट	31 जुलाई – 4 अगस्त	लंदन

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मो. सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

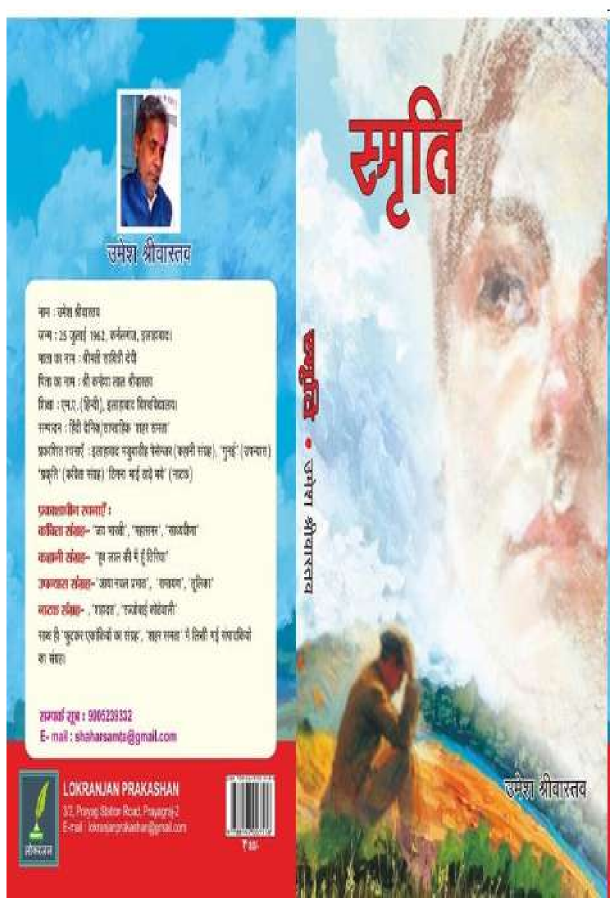

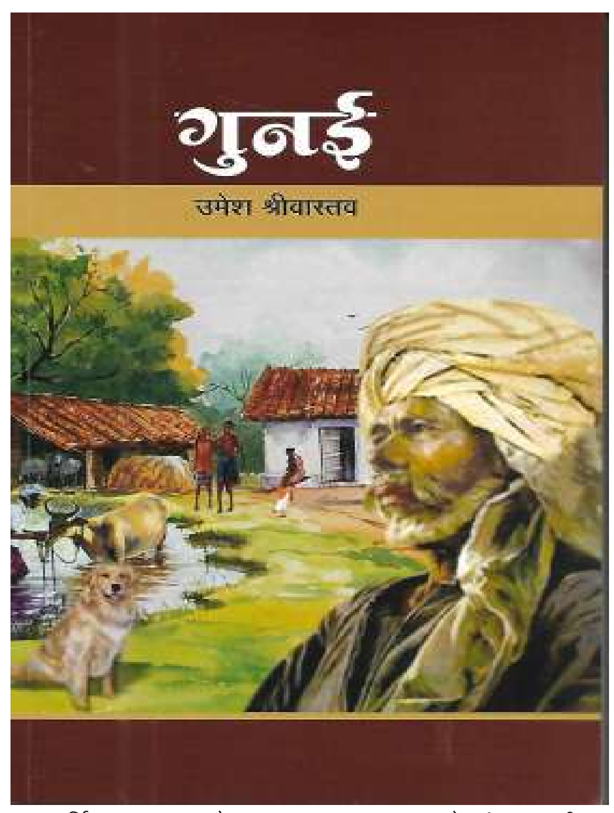

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

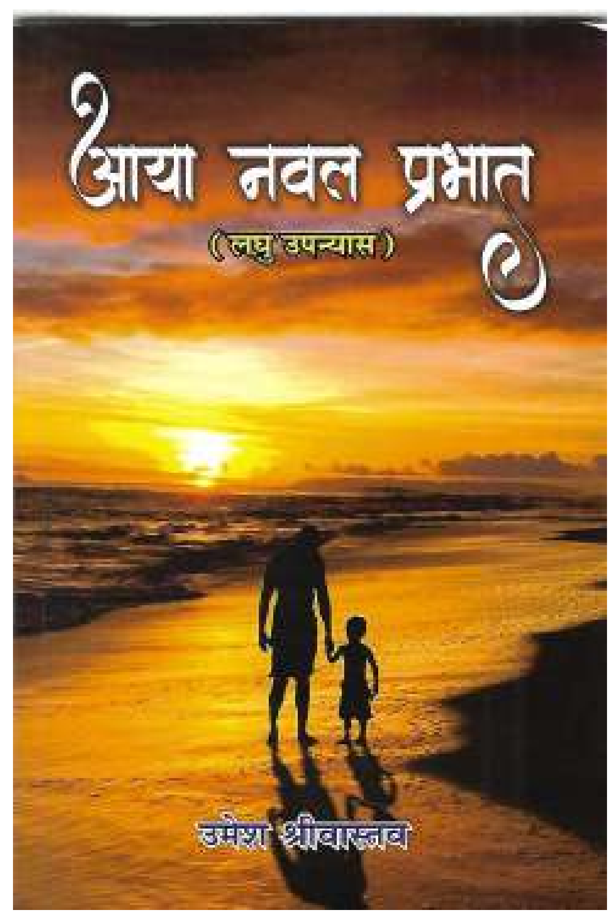

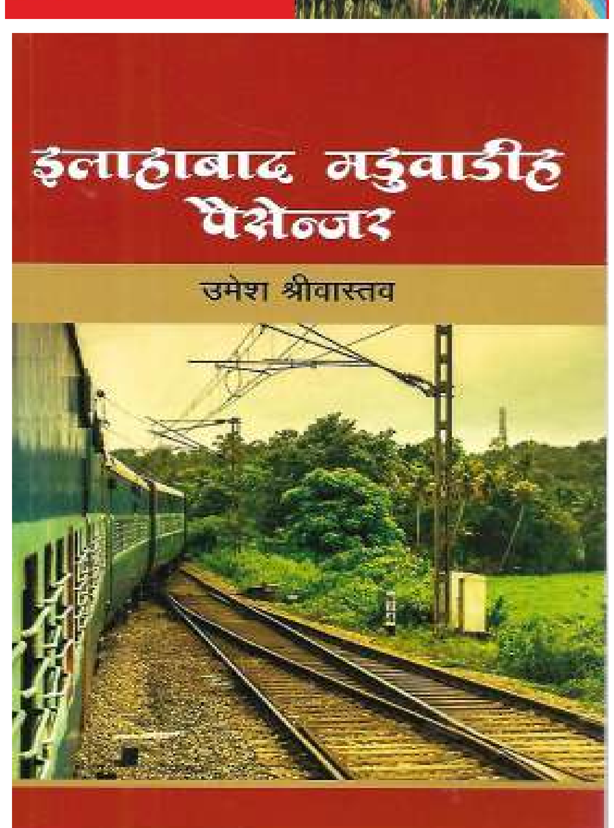

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

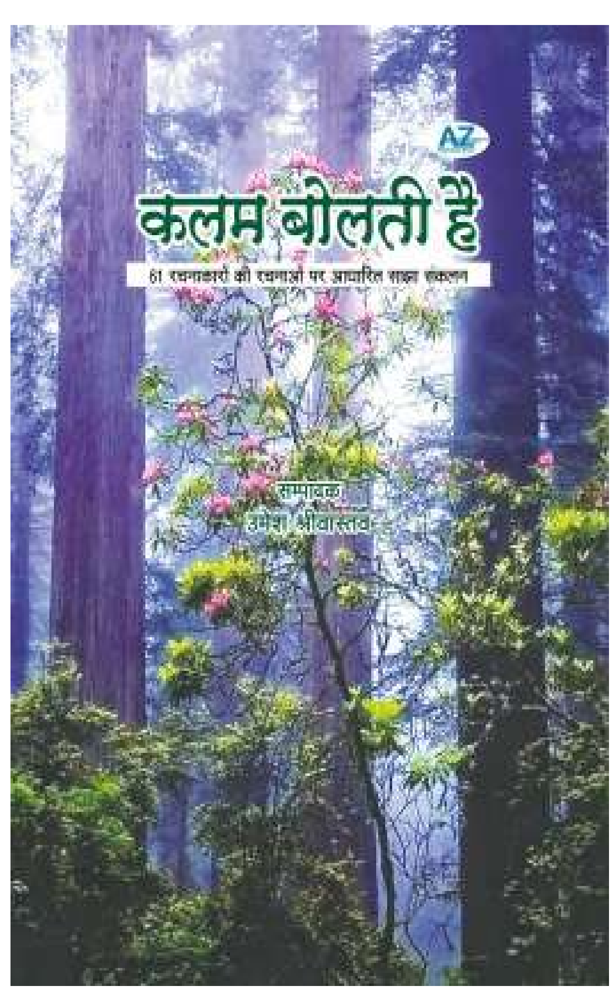

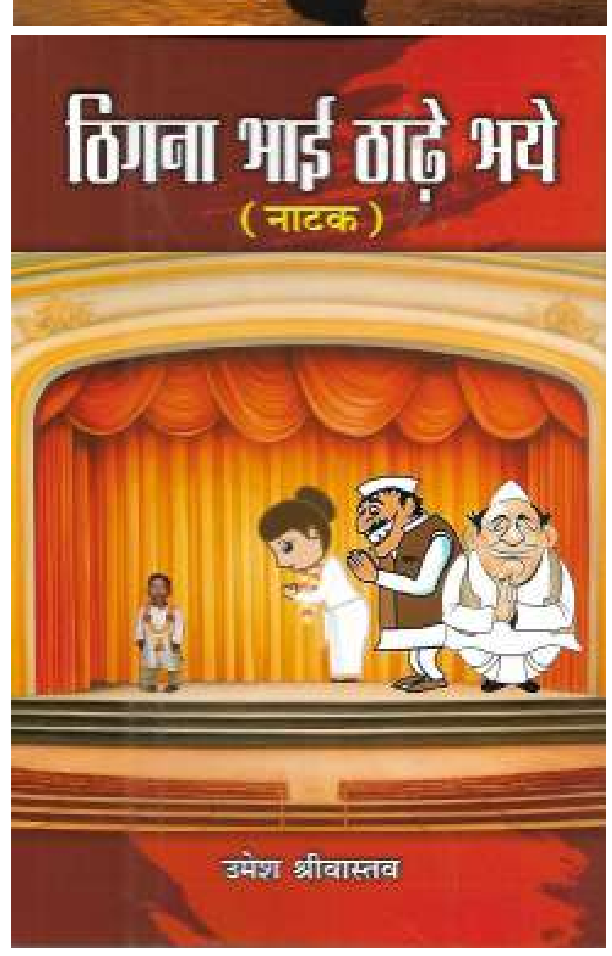

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शहबाज शरीफ सऊदी अरब यात्रा पर जाएंगे

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बृहस्पतिवार को सऊदी अरब का दौरा करेंगे और भारत के साथ हाल में हुए संघर्ष को 'कम कराने' में सऊदी अरब की रचनात्मक भूमिका के लिए आभार व्यक्त करेंगे। दो दिवसीय यात्रा के दौरान शरीफ की मुलाकात शहजादे मोहम्मद बिन सलमान से होगी। शरीफ उनसे व्यापार और निवेश, मुस्लिम समुदाय के कल्याण और क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा सहित प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने

के तरीकों पर चर्चा करेंगे। विदेश कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, "प्रधानमंत्री 5 और 6 जून को ईद–उल–अजहा के मौके पर सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा।" विदेश कार्यालय ने कहा, "प्रधानमंत्री हाल ही में पाकिस्तान–भारत संघर्ष को कम करने में सऊदी नेतृत्व की रचनात्मक भूमिका के लिए आभार भी व्यक्त करेंगे।

ट्रंप ने 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध की घोषणा की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल की यात्रा प्रतिबंध नीति को फिर से लागू करते हुए बुधवार रात एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत 12 देशों के लोगों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इन देशों में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। इन देशों पर यात्रा प्रतिबंध सोमवार रात 12 बजकर एक मिनट से लागू होंगे। इसके अलावा बुरुंडी, क्यूबा, घ्लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले लोगों पर भी कड़े प्रतिबंध होंगे। ट्रंप ने अपने घोषणापत्र में कहा, "मुझे अमेरिका और उसके लोगों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए कार्य करना होगा।" ट्रंप ने 20 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश दिया था जिसके तहत विदेश और गृह सुरक्षा विभागों तथा राष्ट्रीय खुफिया निदेशक को अमेरिका के प्रति "शत्रुतापूर्ण रवैये" के संबंध में एक रिपोर्ट संकलित करने तथा यह पता लगाने को कहा गया था कि क्या कुछ देशों से आने वाले लोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। इस आदेश के बाद यह सूची जारी की गई है। राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने जनवरी 2017 में एक कार्यकारी आदेश जारी कर सात मुस्लिम बहुल देशों – इराक, सीरिया, ईरान, सूडान, लीबिया, सोमालिया और यमन के नागरिकों की अमेरिका यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ट्रंप से बातचीत के कुछ घंटे बाद रूस ने यूक्रेन पर किया हमला, एक वर्षीय बच्चे सहित पांच लोगों की मौत

उत्तरी यूक्रेन के प्रिलुकी शहर पर बृहस्पतिवार रात हुए रूस के ड्रोन हमले में एक वर्षीय बच्चे सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर वियाचेस्लाव चौस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चौस ने कहा कि हमले में छह और लोग घायल हुए तथा उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह शाहेद श्रेणी के छह ड्रोन ने प्रिलुकी के रिहाइशी क्षेत्रों पर हमला किया जिससे आवासीय भवनों को भारी नुकसान पहुंचा। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने इसके कुछ घंटे बाद 'टेलीग्राम' पर लिखा कि बृहस्पतिवार को यूक्रेन के पूर्वी शहर खारकीव में रूसी ड्रोन हमले में 17 लोग घायल हो गए जिनमें बच्चे, एक गर्भवती महिला और 93 वर्षीय एक महिला भी शामिल हैं। शाहेद श्रेणी के ड्रोन ने रात करीब एक बजकर पांच मिनट पर स्लोबिदस्की जिले में दो अपार्टमेंट पर हमला किया, जिससे आग लग गई और कई निजी वाहन नष्ट हो गए। इन हमलों से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। ट्रंप ने कहा था कि पुतिन ने बुधवार को उन्हें फोन पर बहुत दृढ़ता से बताया कि वह रूसी हवाई अड्डों पर सप्ताहांत में हुए यूक्रेन के ड्रोन हमले का जवाब देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पुतिन के साथ उनकी एक लंबी बातचीत हुई और यह एक अच्छी बातचीत थी, लेकिन यह ऐसी बातचीत नहीं थी जिससे तत्काल शांति स्थापित हो सके। यह पहली बार है जब ट्रंप ने रूस के अंदर यूक्रेन के हमले पर टिप्पणी की।

अमेरिका का 12 देशों पर अब तक का सबसे चौंकाने वाला फैसला! क्या भारत भी इनमें शामिल?

अमेरिका का 12 देशों के लोगों पर बैन सामने आया है। अपने दूसरे कार्यकाल के लगभग पाँच महीने बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से ये बड़ा फैसला लिया गया है। 12 देशों से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश को प्रतिबंधित करने और सात अन्य पर वीज़ा सीमाएँ लगाने वाले एक नए यात्रा प्रतिबंध पर हस्ताक्षर किए। यह आदेश ट्रम्प के आव्रजन एजेंडे को पुनर्जीवित करता है जिसे उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान आगे बढ़ाया था और इसका उद्देश्य आव्रजन में संभावित उछाल को रोकना है। मौजूदा प्रतिबंध 9 जून को सुबह 12ः01 बजे प्रभावी होने वाला है। ट्रंप ने 20 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश दिया था जिसके तहत विदेश और गृह सुरक्षा विभागों तथा राष्ट्रीय खुफिया निदेशक को अमेरिका के प्रति "शत्रुतापूर्ण रवैये" के संबंध में एक रिपोर्ट संकलित करने तथा यह पता लगाने को कहा गया था कि क्या कुछ देशों से आने वाले लोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पाक-अफगान बॉर्डर से आई डराने वाली तस्वीरें, कैसे जुल्म ढा रहा पाकिस्तान, दो महीने में 2 लाख लोगों ने छोड़ा मुल्क

पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर पर तनाव बढ़ता जा रहा है। खबर में पाकिस्तानी सेना और तालिबान सैनिकों की भिड़ंत हुई। तालिबानी सेना के जवानों से तनाव के बीच भारी हथियारों के इस्तेमाल की खबर है। दरअसल, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों और तालिबान के बीच 3 फरवरी से झड़पें शुरू हुई थी। हालिया विवाद तब शुरू हुआ जब तालिबान ने अपनी सीमा को सुरक्षित करने के लिए नई चौकी बनाने की कोशिश की, जिसे पाकिस्तानी सेना ने समझौते का उल्लंघन बताते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में तालिबान ने पाकिस्तान के चेक पोस्ट पर हमला बोला। मोटार्र दागने से चेक पोस्ट ध्वस्त हो गया। अब पाकिस्तान ने अफ़गान नागरिकों को देश से बाहर निकालने के लिए प्रयास तेज़ कर दिए हैं, क्योंकि देश के आंतरिक मंत्रालय के डेटा से पता चलता है कि अप्रैल से अब तक 200,000 से ज़्यादा लोगों को निर्वासित किया जा चुका है। इसके अलावा, ईरान ने भी अफ़गानों को देश से बाहर निकालना शुरू कर दिया है, जिससे पहले से ही चरमराई अर्थव्यवस्था के बीच लोगों की आमद को संभालने की तालिबान की क्षमता पर चिंताएँ बढ़ गई हैं। अप्रैल में 135,000 से ज़्यादा अफ़गानों ने देश छोड़ा, मई में 67,000 और जून के पहले दो दिनों में ही 3,000 से ज़्यादा अफ़गानों ने देश छोड़ा। नवंबर 2023 में स्वदेश वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक दस लाख से ज़्यादा अफ़गान पाकिस्तान से वापस आ चुके हैं। 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से हजारों और अफगानी भागकर पाकिस्तान पहुंचे। मंत्रालय ने कहा कि नवंबर 2023 में निर्वासन कार्यक्रम शुरू होने के बाद से 10 लाख से अधिक अफगान अपने वतन लौट चुके हैं। ऐसा अनुमान है कि लगभग 30 लाख अफ़गान नागरिक अब भी पाकिस्तान में रह रहे हैं।

ईरान ने अफ़गानों को देश छोड़ने का आदेश दिया

इस बीच, तेहरान ने अफ़गानों को देश से बाहर निकालने का अपना अभियान शुरू कर दिया है। देश के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि अफ़गानिस्तान के लोगों के पास ईरान छोड़ने के लिए 6 जुलाई तक का समय है। ईरानी आंतरिक मंत्रालय के नादेर यारहमादी ने सरकारी टेलीविज़न पर कहा कि इससे लगभग 40 लाख अफ़गान प्रभावित होंगे, जिनमें से छह मिलियन से ज़्यादा अफ़गान ईरान में हैं। फिर से सभी देशों से अफ़गानों की जबरन वापसी को तुरंत निलंबित करने का आह्वान किया, चाहे उनकी आप्रवास स्थिति कुछ भी हो, जब तक कि सुरक्षित, स्वैच्छिक और सम्मानजनक वापसी की शर्तें लागू न हो जाएँ।

पाकिस्तान में कितने अफ़गान रहते हैं?

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर के अनुसार, पाकिस्तान में 2.18 मिलियन अफ़गान शरणार्थी हैं, जिनके पास दस्तावेज़ हैं। इसमें 2006–07 में की गई जनगणना के अनुसार प्रूफ़ ऑफ़ रजिस्ट्रेशन (पीओआर) कार्ड रखने वाले 1.3 मिलियन शरणार्थी शामिल हैं साथ ही 2017 में पंजीकरण अभियान के बाद एसीसी कार्ड प्राप्त करने वाले अतिरिक्त 8,80,000 शरणार्थी भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी मॉडल को भाई ने कहा लव यू, नहीं मानी तो मार दी गोली

पाकिस्तान में 17 साल की सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर सना युसूफ की हत्या से हड़कंप मच गया। सना की हत्या जिस वजह से की गई वो बेहद ही हैरान करने वाली है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 17 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या की वजह बस इतनी थी कि सना ने एक लड़के का प्रपोजल ठुकरा दिया था। 17 साल की सना बहुत पॉपुलर थी। सना के टिकटॉक पर 7.4 लाख और इंस्टाग्राम पर करीब 5 लाख फॉलोअर्स थे। सना का हत्यारा 22 साल का एक दसवीं पास बेरोजगार लड़का है। जिसे फैसलाबाद से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अफसोस की बात ये है कि जिस दिन सना युसूफ अपना 17वां जन्मदिन मना रही थी। वही दिन उनकी जिंदगी का आखिरि दिन हो गया। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ये हमलावर सना का कजिन था और सना को गोली मार दी। पुलिस का कहना है कि हमलावर ने सना को कई बार प्रपोज किया था। लेकिन सना ने हर बार उसे मना कर दिया। हमलावर मैट्रिक पास और बेरोजगार है। आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पहले सना से कुछ देर घर के बाहर बात की। फिर घर के अंदर जाकर गोलियां चलाई। सना को बहुत ही नजदीक से दो गोलियां लगी। जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस्लामाबाद के पुलिस प्रमुख सैयद अली नासिर रिजवी ने एक समाचार सम्मेलन के दौरान कहा कि यह बार–बार अस्वीकार किए जाने का मामला था। लड़का बार–बार उससे संपर्क करने की कोशिश कर रहा था। रिजवी ने कहा कि निर्दयी हत्यारा अब कानून की गिरफ्त में है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध यूसुफ के साथ "दोस्त बनना" चाहता था, लेकिन वह बार–बार उससे दूर भागती रही। पुलिस के अनुसार, हयात ने केवल मैट्रिकुलेशन की पढ़ाई पूरी की थी और वह निम्न–मध्यम आय वर्ग से था, जिसके पास कोई आय का स्रोत नहीं था। जांचकर्ताओं ने कहा कि संभवतः सबूत मिटाने के प्रयास में, उसने शूटिंग के बाद यूसुफ का मोबाइल फोन अपने साथ ले लिया। 17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में कहा गया है कि शूटर शाम 5 बजे के आसपास पिस्तौल लेकर घुसा और उसकी बेटी को बिल्कुल नजदीक से गोली मार दी। उसे सीने में दो गोलियां लगीं और अस्पताल ले जाने के बावजूद वह बच नहीं सकी। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने एक्स पर पुष्टि की कि आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है और हथियार भी बरामद कर लिया गया है, जिससे हत्या में ऑनर किलिंग की प्रारंभिक रिपोर्टें गलत साबित हो गईं। यूसुफ खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी चित्राल से ताल्लुक रखती हैं और चित्राली परंपराओं और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले अपने वीडियो के लिए लोकप्रिय हुई थीं। उन्हें अपने टिकटॉक वीडियो के ज़रिए लोकप्रियता मिली थी, जहाँ उन्हें चित्राली संस्कृति को उजागर करने, महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने और शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रूप से सराहा गया था।

पहले कोरोना वायरस और अब फंगस, चीन रच रहा नई बीमारी फैलाने की साजिश ? तुरंत एक्टिव हुई एफबीआई

दुनियाभर में कोरोना वायरल फैलाने वाला चीन अब एक बार फिर से क्या कोई नई बीमारी फैलाने की साजिश रच रहा है? चीन के बायो वेपन इस्तेमाल को लेकर अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका में चीन के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से फ्यूसैरियम ग्रैमिनियरम नामक फंगस मिला है। इसे बायो वेपन के तौर पर चीन की लैब नामक बीमारी का कारण बन सकता है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल को बर्बाद करने के साथ साथ मनुष्यों और पशुओं दोनों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा करती है। यह हर साल दुनिया भर में अरबों डॉलर के आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार है।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से कनेक्शन

साक्ष्य यह भी संकेत देते हैं कि जियान ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी व्यक्त की थी और चीन में इस रोगज़नक़ पर इसी तरह के काम के लिए चीनी सरकार से धन प्राप्त किया था। जियान के प्रेमी जुनयोंग लियू पर भी शिकायत में आरोप लगाया गया है। जुनयोंग एक चीनी विश्वविद्यालय में काम करता है जहाँ वह उसी रोगज़नक़ पर रिसर्च करता था। लियू पर आरोप है कि उन्होंने पहले झूठ बोला, फिर स्वीकार किया कि उन्होंने डेट्रॉयट मेट्रोपॉलिटन हवाई अड्डे के माध्यम से फ्यूजेरियम

से अमेरिका लाया गया था। अमेरिका का कहना है कि ये फंगस फसलों को बर्बाद करने के साथ साथ इंसानों और जानवरों को भी बीमार कर देता है। इसलिए अमेरिकी वैज्ञानिकों ने इसे एग्रो टेररिज्म वेपन यानी कृषि आतंकवाद कहा है। जिससे जौ, गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलें बर्बाद हो जाती हैं।

कैसे चीन की साजिश का हुआ पर्दाफाश?

एफबीआई निदेशक काश पटेल ने पूरे मामले पर एक्स पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। उन्होंने कहा कि मैं पुष्टि कर सकता हूँ कि एफबीआई ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एक चीनी नागरिकको गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर देश में एक खतरनाक जैविक रोगज़नक़ फंगस की तस्करी की थी। युनकिंग जियान नामक व्यक्ति पर आरोप है कि उसने फ्यूसैरियम ग्रैमिनियरम नामक एक खतरनाक की तस्करी की है। कवक हेड ब्लाइट ग्रैमिनीरम की तस्करी अमेरिका में भी की थी, जिससे वो मिशिगन विश्वविद्यालय में इस पर रिसर्च कर सकें।

कृषि आतंकवाद क्या है

जैविक एजेंटों का इस्तेमाल करके फसलों को नष्ट करने के लिए खेतों को हथियार बनाना श्कृषि–आतंकवादश कहलाता है। काश पटेल ने कहा कि दोनों व्यक्तियों पर षड्यंत्र, संयुक्त राज्य अमेरिका में माल की तस्करी, झूठे बयान और वीज़ा धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। यह मामला इस बात की याद दिलाता है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अमेरिकी संस्थाओं में घुसपैठ करने और हमारी खाद्य आपूर्ति को निशाना बनाने के लिए अपने कार्यकर्ताओं और शोधकर्ताओं को तैनात करने के लिए दिन–रात काम कर रही है, जिसके गंभीर परिणाम होंगे... जिससे अमेरिकी जीवन और हमारी अर्थव्यवस्था गंभीर खतरे में पड़ जाएगी।

न्यूजीलैंड की संसद में महिला एमपी ने दिखाई अपनी न्यूड फोटो, सरकार से कर दी ये मांग

न्यूजीलैंड की संसद में एक हैरान करने वाला वाक्या सामने आया। एक महिला सांसद ने भरी संसद में अपनी न्यूड फोटो दिखाई। दरअसल, वो इस बात की गंभीरता पर सवाल उठाती दिखी कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का इस्तेमाल कितना खतरनाक हो गया है। न्यूजीलैंड एसीटी पार्टी की सांसद लौरा मैकलियोज मैक्लर ने संसद में अपनी एक

एआई जेनरेटेड न्यूड तस्वीर दिखाई। उनका मकसद लोगों को ये बताना था कि ऐसी फर्जी तस्वीर बनाना कितना आसान है और ये कितना खतरनाक हो सकता है। लौरा ने संसद में कहा कि उन्होंने गूगल सर्च का इस्तेमाल करते हुए मिली हुई वेबसाइट पर डीपफेक का इस्तेमाल करते हुए अपनी न्यूड तस्वीर बना ली। मैकक्लर ने सदन को बताया कि ये छवि मेरी तरह दिखती है। यह एआई द्वारा बनाई गई है। इसे बनाने में मुझे पाँच मिनट से भी कम समय लगा। अब कल्पना करें कि किसी और के लिए, बुरे इरादों के साथ, ऐसा करना कितना आसान है। मैकक्लर ने चेतावनी दी कि डीपफेक टूल का इस्तेमाल महिलाओं और लड़कियों को अपमानित करने, परेशान करने और उनका शोषण करने के लिए किया जा रहा है, अक्सर उनकी जानकारी या सहमति के बिना। समस्या तकनीक ही नहीं है, बल्कि यह है कि इसे लोगों के खिलाफ़ कितनी आसानी से हथियार बनाया जा रहा है। खासकर महिलाओं के खिलाफ़। उन्होंने कहा कि हमारे कानून बहुत पीछे हैं। सांसद ने कहा कि यह सोचना बहुत परेशान करने वाला है कि अगर किसी व्यक्ति की नकली न्यूड तस्वीरें ऑनलाइन वायरल हो जाए तो वह कितनी असहाय महसूस कर सकता है। यह भयानक है। यह अपमानजनक है। और हमें इसे रोकना चाहिए। मैकक्लर के प्रस्तावित विधेयक में सहमति के बिना यौन रूप से स्पष्ट डीपफेक सामग्री बनाने और साझा करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया गया है, जिससे न्यूजीलैंड के डिजिटल सुरक्षा ढांचे में मौजूदा कानूनी कमियों को दूर किया जा सकेगा। यह कानून किसी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी छवियों या वीडियो को यौन रूप से स्पष्ट सामग्री में बदलना एक आपराधिक अपराध बना देगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

जर्मनी में भीषण तूफान के चलते रायनएयर के विमान की आपात लैंडिंग, नौ लोग घायल

बर्लिन। जर्मनी में आए भीषण तूफान के चलते बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात रायनएयर के विमान की आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। जर्मन पुलिस के बृहस्पतिवार को बताया कि तेज तूफान के चलते विमान में सवार नौ लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, विमान बर्लिन से मिलान जा रहा था। विमान में 179 यात्री और छह क्रू मेंबर सवार थे। रात करीब 8.30 बजे तूफान के चलते विमान में तेज झटके महसूस हुए।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।